Discover your divinity with us
A/C Showroom
ज्ञान गंगा ॐ मूर्ति माला केन्द्र
उजाला भवन स्टेशन रोड, दुर्ग
0788-4030383, 3293199
भगवान के वस्त्र, श्रृंगार मूर्तियां एवं समस्त पूजन सामग्री संगमरमर व पीतल की मूर्तियां राशि रत्न एवं उपरत्न उपलब्ध

राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

समय दर्शन

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

श्री
दुर्ग शहर में सुप्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य
पं. एम.पी. शर्मा/
मो. 8109922001
फीस 251/- मात्र
पता:- श्री दुर्गा ज्योतिष कार्यालय सिकोला भाठा, सब्जी मार्केट के सामने, धमधा नाका, दुर्ग

वर्ष 15, अंक 91 | पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये | दुर्ग, बुधवार 11 फरवरी 2026 | www.samaydarshan.in

संक्षिप्त समाचार

एचडीएफसी बैंक बना अखाड़ा, महिला कर्मचारी ने ग्राहक को दी गालियां

कानपुर। कानपुर शहर के पनकी सेक्टर-2 स्थित एचडीएफसी बैंक की एक शाखा उस वक्त अखाड़े में तब्दील हो गई, जब वहां तैनात एक महिला कर्मचारी ने मर्यादा की सारी हदें पार कर दीं। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक वीडियो में बैंक कर्मचारी आस्था सिंह एक महिला ग्राहक पर बुरी तरह भड़कती हुई नजर आ रही हैं। वीडियो में साफ दिखाई दे रहा है कि कर्मचारी न सिर्फ ग्राहक को भद्दी-भद्दी गालियां दे रही हैं, बल्कि गुस्से में आपा खोते हुए उन पर हमला करने के लिए अपना लैपटॉप तक उठा लेती हैं। घटना के दौरान बैंक में मौजूद अन्य सहकर्मियों ने आरोपी महिला कर्मचारी को पकड़कर शांत कराने की काफी कोशिश की, लेकिन उनका गुस्सा सातवें आसमान पर था। हैरानी की बात यह रही कि एक पेशेवर संस्थान में काम करने के बावजूद महिला कर्मचारी ने सरेआम अपनी जाति का हवाला देते हुए दबंगई दिखाई।

हेडफोन लगाकर खेल रहा था पबजी गेम, दिमाग की नस फटने से मौत

मेरठ। मोबाइल गेमिंग की लत किस हद तक जानलेवा साबित हो सकती है, इसका एक खौफनाक उदाहरण मेरठ में सामने आया है। गाजियाबाद में तीन बहनों द्वारा आत्महत्या की घटना के बाद अब मेरठ के खैरनगर इलाके में पबजी गेम की लत के चलते 22 वर्षीय युवक मोहम्मद कैफ की मौत हो गई। देर रात तक मोबाइल पर गेम खेलने के दौरान युवक का ब्लड प्रेशर अचानक इतना बढ़ गया कि उसके दिमाग की नस फट गई। मेरठ के खैरनगर स्थित गूलर वाली गली निवासी प्रॉपर्टी डीलर फारुक का इकलौता बेटा मोहम्मद कैफ शुक्रवार रात अपने कमरे में हेडफोन लगाकर मोबाइल पर पबजी खेल रहा था। परिजनों के मुताबिक, कैफ पिछले चार महीनों से ऑनलाइन गेमिंग की लत का शिकार था। शुक्रवार देर रात करीब तीन बजे वह गेम खेलते-खेलते अचानक बेड से नीचे गिर पड़ा। कमरे में पहुंचने पर परिजनों ने कैफ को गंभीर हालत में पाया और तुरंत उसे नजदीकी अस्पताल ले जाया गया। वहां जांच के दौरान डॉक्टरों को पता चला कि कैफ का ब्लड प्रेशर 300 से अधिक पहुंच चुका था।

एनसीआर में तेज हवाओं से हवा हुई साफ

नोएडा। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र एनसीआर में बीते कुछ दिनों से चल रही तेज हवाओं का असर अब साफ तौर पर वायु गुणवत्ता पर देखने को मिल रहा है। हवा की रफ्तार बढ़ने के चलते प्रदूषक कणों का फैलाव हुआ है, जिससे वायु गुणवत्ता सूचकांक एक्यूआई में उल्लेखनीय सुधार दर्ज किया गया है। दिल्ली, नोएडा और गाजियाबाद के अधिकांश इलाकों में एक्यूआई ऑरेंज और यलो जोन में पहुंच गया है, जो बीते हफ्तों के मुकाबले राहत भरा संकेत है। दिल्ली की बात करें तो कई प्रमुख इलाकों में एक्यूआई अभी भी ऑरेंज जोन में बना हुआ है।

ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव

118 विपक्षी सांसदों ने किए साइन, क्या रचा जाएगा इतिहास

नई दिल्ली/ एजेंसी

विपक्ष लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया है। स्पीकर के खिलाफ 118 सांसद एकजुट हैं। मंगलवार को कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई की अगुवाई में लोकसभा सचिवालय को प्रस्ताव का नोटिस दिया गया। ममता बनर्जी की पार्टी टीएमसी इस प्रस्ताव में विपक्ष के साथ नहीं है। लोकसभा में कांग्रेस के डिप्टी लीडर गौरव गोगोई कांग्रेस चीफ व्हिप कोडिकुन्निल सुरेश, सांसद मोहम्मद जावेद और अन्य ने यह नोटिस लोकसभा सचिवालय को दिया। नोटिस देने के बाद लोकसभा अध्यक्ष ने सचिवालय को अविश्वास प्रस्ताव की जांच करने और प्रक्रिया में तेजी लाने का निर्देश दिया। इस नोटिस पर कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, डीएमके और कई दूसरी विपक्षी पार्टियों के 118 सांसदों ने साइन किए हैं। प्रस्ताव से जुड़ा यह नोटिस संविधान के आर्टिकल 94(ष) के तहत लोकसभा सेक्रेटेरिएट को दिया गया है। अब लोकसभा सचिवालय अविश्वास प्रस्ताव की तारीख तय करेगा। संसद के बजट सत्र के दौरान 2 फरवरी को राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान राहुल गांधी को पूर्व आर्मी चीफ एमएम नरवणे के अप्रकाशित मेमोयर का जिक्र किया। जिसके बाद सत्ता पक्ष ने सवाल उठाते हुए कहा कि किसी अप्रकाशित किताब पर सदन में चर्चा नहीं हो सकती। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने भी नियमों का हवाला देते हुए इस मुद्दे पर बोलने से रोक दिया। ओम बिरला ने राहुल गांधी को कहा कि आप राष्ट्रपति के

अभिभाषण से जुड़े किसी अन्य मुद्दे पर बोल सकते हैं। लेकिन राहुल गांधी भी अपनी जिद पर अड़े रहे और बोलने से इनकार कर दिया। और राहुल गांधी का भाषण सदन की कार्यवाही से हटा दिया। स्पीकर ओम बिरला ने अन्य विपक्षी सांसदों को बोलने का मौका दिया तो उन्होंने भी विरोध दर्ज कराते हुए बोलने से इनकार कर दिया। इस दौरान जमकर हंगामा भी हुआ। आसन की तरफ कागज उछाले गए। जिसके चलते आठ विपक्षी सांसदों सस्पेंड कर दिया गया। इस गतिरोध को लेकर विपक्ष का आरोप है कि विपक्षी नेताओं को लोकसभा में बोलने नहीं दिया जाता, जबकि सत्ता में बैठे लोगों को पूरी छूट दी जाती है। पहला प्रस्ताव: 18 दिसंबर 1954 को तत्कालीन स्पीकर जीवी मावलंकर के खिलाफ नो-कॉन्फिडेंस मोशन लाया गया था, जिसे बहस के बाद रिजेक्ट कर दिया गया था। दूसरा प्रस्ताव: 24 नवंबर 1966 को स्पीकर हुकम सिंह के खिलाफ मोशन लाया गया था। हालांकि, 50 से कम सदस्यों ने इसका समर्थन किया, इसलिए मोशन गिर गया। तीसरा प्रस्ताव: 15 अप्रैल 1987 को उस समय के लोकसभा स्पीकर बलराम झाखड़ के खिलाफ मोशन लाया गया था। इसे भी बहस के बाद रिजेक्ट कर दिया गया था। स्पीकर को हटाने के लिए संविधान के आर्टिकल 94 और लोकसभा में प्रोसीजर और बिजनेस के नियमों के आर्टिकल 200 का पालन किया जाता है।

अविश्वास प्रस्ताव नोटिस पर राहुल गांधी ने ही नहीं किए हस्ताक्षर, पार्टी ने बताई ये वजह

लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के खिलाफ विपक्षी सांसदों ने लोकसभा सचिवालय को अविश्वास प्रस्ताव लाने का नोटिस दिया है। यह नोटिस नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को संसद में न बोलने देने के आरोप में लाया जा रहा है। हालांकि नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने ही इस पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं। न्यूज एजेंसी एएनआई ने कांग्रेस सूत्रों के हवाले से बताया कि स्पीकर को पद से हटाने के नोटिस पर नेता प्रतिपक्ष का हस्ताक्षर करना संसदीय लोकतंत्र में सही नहीं है। इसी वजह से राहुल गांधी ने नोटिस पर हस्ताक्षर नहीं करने का फैसला किया। विपक्ष के 118 सांसदों ने इस नोटिस पर हस्ताक्षर किए हैं।

सचिन के घर शादी की खुशियां

अर्जुन-सानिया की जोड़ी को बधाई देने आएंगे मोदी

नई दिल्ली। भारतीय टीम के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने हाल ही में अपने परिवार के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इस दौरान उनके साथ पत्नी अंजलि तेंदुलकर, बेटे अर्जुन तेंदुलकर, बेटी सारा तेंदुलकर और अर्जुन की मंगेतर सानिया चंदोक भी मौजूद रहीं। पिछले कई दिनों से अर्जुन और सानिया की शादी को लेकर अटकलें लगाई जा रही थीं, लेकिन अब सचिन ने खुद इस खबर की पुष्टि कर दी है। सचिन तेंदुलकर ने प्रधानमंत्री से मुलाकात की तस्वीर सोशल मीडिया पर साझा की। इस पोस्ट

में उन्होंने बताया कि उन्हें अर्जुन और सानिया के विवाह समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आमंत्रित करने का अवसर मिला। साथ ही उन्होंने युवा जोड़े को आशीर्वाद और मार्गदर्शन देने के लिए प्रधानमंत्री का धन्यवाद भी किया।

सेशेल्स गणराज्य के राष्ट्रपति डॉ. पैट्रिक हर्मिनी नई दिल्ली में हैदराबाद हाउस में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात करते हुए।

कयामत तक नहीं बनेगी बाबरी मस्जिद

रामद्रोहियों के लिए कोई जगह नहीं बची-योगी.....

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के 'फायरब्रांड' नेता और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक बार फिर अपना रौद्र रूप दिखाया है। उन्होंने बाराबंकी में एक जनसभा को संबोधित करते हुए बाबरी मस्जिद को लेकर एक बड़ा बयान दिया है। साथ ही एक चेतावनी भी दी है। सीएम योगी ने मंगलवार को बाराबंकी में एक जनसभा को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने कहा कि कुछ लोग अवसरवादी रवैया अपनाते हैं। उनको जब संकट आता है तो राम याद आते हैं। बाकी समय में राम को भूल जाते हैं। यही वजह है कि भगवान

राम भी उनको भूल चुके हैं। योगी आदित्यनाथ ने समाजवादी पार्टी की तरफ इशारा करते हुए कहा कि रामद्रोहियों के लिए कोई जगह नहीं बची है। जो रामभक्तों पर गोली चला रहे थे, रामकाज में बाधक थे और बाबरी ढांचे का ख्वाब देख रहे थे।

अखिलेश यादव का सरकार पर हमला

अमेरिका से डील नहीं, ढील हुई बजट में यूपी के लिए कुछ नहीं-अखिलेश

नोएडा/ एजेंसी

समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने लोकसभा में बजट पर बोलते हुए सरकार पर तीखे सवाल उठाए हैं। उन्होंने अमेरिका के साथ हुए कथित 'डील' और बजट की प्राथमिकताओं पर सरकार को घेरा। यादव ने कहा कि यह 'डील' नहीं बल्कि 'ढील' साबित हुई है, जिसका देश की अर्थव्यवस्था और किसानों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। अखिलेश यादव ने बजट आने से पहले और बाद में अमेरिका के साथ हुई 'डील' को लेकर सरकार पर हमला बोला। उन्होंने दावा किया कि भाजपा ने

कई देशों के साथ फ्री ट्रेड डील करने का दावा किया है, लेकिन अब सवाल यह है कि कितने देश बचे हैं जिनसे ऐसी डील नहीं हुई है। उन्होंने चिंता व्यक्त की कि इस 'डील' के बाद रुपये की स्थिति क्या होगी और पूछा कि अगर यही डील करनी थी तो पहले क्यों नहीं की गई। उनके अनुसार, यह 'डील' देश के लिए कोई बड़ा लाभ नहीं बल्कि एक प्रकार की 'ढील' है, जिससे देश को यह तय करना होगा कि 18 बड़ा है या जीरो, और बजट पहले बना या डील पहले हुई। यादव ने वर्तमान बजट को दिशाहीन बताते हुए कहा कि इसमें गरीब, पिछड़े और दलित वर्ग के लिए कोई ठोस प्रावधान नहीं हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि जब इतने बड़े बजट लाए जा रहे हैं, तो भी प्रति व्यक्ति आय क्यों नहीं बढ़ रही है। उन्होंने सरकार से फ्री राशन पाने वाले लोगों की प्रति व्यक्ति आय बताने की मांग की। उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्य के लिए बजट में किसी खास योजना का उल्लेख न होने पर भी अखिलेश यादव ने असंतोष व्यक्त किया।

एक साथ 9 बड़े स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में सोमवार की सुबह उस वक्त हड़कंप मच गया, जब शहर के नौ प्रतिष्ठित स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिली। यह धमकियां सुबह करीब 8.30 से 9 बजे के बीच दी गईं, जिसके चलते स्कूली बच्चों, अभिभावकों और स्टाफ में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सूचना मिलते ही दिल्ली पुलिस, फायर ब्रिगेड और बम स्क्वॉड की टीमें तुरंत मौके पर पहुंचीं और सुरक्षा के लिहाज से सभी बच्चों व स्टाफ को सुरक्षित बाहर निकालकर स्कूलों की सघन तलाशी शुरू कर दी। शुरुआती जांच में यह बात सामने आई है कि सभी स्कूलों में धमकी भरी कॉल लगभग एक ही समय पर आई थीं।

विधानसभा पहुंच विरोधियों को दिया संदेश

अध्यक्ष बनने के बाद भी नहीं छोड़ेंगे विधायकी-नितिन नबीन

नई दिल्ली/ एजेंसी

भारतीय जनता पार्टी के नवनियुक्त राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने अध्यक्ष पद संभालने के बाद पहली बार बिहार विधानसभा की कार्यवाही में हिस्सा लिया और अपनी भावी रणनीतियों को लेकर महत्वपूर्ण संदेश दिया। सदन में पत्रकारों से बातचीत के दौरान उन्होंने स्पष्ट किया कि वे संगठन की बड़ी जिम्मेदारी के साथ-साथ बांकीपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक के रूप में अपने कर्तव्यों का निर्वहन पूरी निष्ठा से करते रहेंगे। नितिन नबीन ने कहा कि पार्टी ने उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर जो

उत्तरदायित्व सौंपा है, उसे वे पूरी मजबूती से निभाएंगे, लेकिन अपनी जड़ों और बांकीपुर की जनता के प्रति उनकी जवाबदेही सर्वोपरि रहेगी। उन्होंने जोर देकर कहा कि बिहार की जनता और पार्टी कार्यकर्ताओं ने उन पर जो भरोसा जताया है, उस पर वे हर हाल में खरा उतरने का प्रयास करेंगे। भाजपा अध्यक्ष ने अपने संबोधन में यह भी संकेत दिया कि उनका मुख्य लक्ष्य अंत्योदय के सिद्धांत को जमीन पर उतारना और संगठन को पंचायत स्तर तक और अधिक सशक्त बनाना है, ताकि केंद्र और राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंच सके। उन्होंने आगे कहा कि पार्टी और बिहार के लोगों ने मुझ पर भरोसा जताया है। उस पर खरा उतरने का काम करूंगा। अपने विधानसभा क्षेत्र के प्रति भी जो मेरी जिम्मेदारी है, उसे भी पूरा करूंगा।

जनरल नरवणे की किताब पर 'पेंगुइन' का बड़ा बयान

'न छपी, न बिकी', फिर राहुल गांधी तक कैसे पहुंची कॉपी ?

नई दिल्ली/ एजेंसी

भारतीय थल सेना के पूर्व प्रमुख जनरल मनोज मुकुंद नरवणे की अप्रकाशित आत्मकथा 'फोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनी' ने राजनीतिक और कानूनी गलियारों में हलचल मचा दी है। जहां संसद में राहुल गांधी ने इस किताब की कॉपी दिखाई, वहीं प्रकाशक 'पेंगुइन रैंडम हाउस' ने स्पष्ट किया है कि किताब अभी तक प्रकाशित ही नहीं हुई है। संसद के बजट सत्र के दौरान उस समय सब हैरान रह गए जब विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने पूर्व सेना प्रमुख जनरल एम.एम. नरवणे की किताब 'फोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनी' की एक कॉपी सदन में दिखाई। इस घटना के बाद यह सवाल उठने लगे कि जो किताब अभी तक बाजार में आई ही नहीं और जिसे आधिकारिक तौर पर रिलीज नहीं किया गया, वह नेता प्रतिपक्ष तक कैसे पहुंची ? इस घटना ने न केवल राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप को जन्म दिया, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा और कॉपीराइट उल्लंघन से जुड़े गंभीर सवाल भी खड़े कर दिए हैं। विवाद बढ़ता देख पब्लिशिंग कंपनी 'पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया' ने सोमवार को एक कड़ा स्पष्टीकरण जारी किया। प्रकाशक ने साफ तौर पर कहा कि यह किताब अभी प्रकाशन प्रक्रिया में है और इसका कोई भी प्रिंट, डिजिटल या पीडीएफ संस्करण सार्वजनिक रूप से जारी नहीं किया गया है। कंपनी ने स्पष्ट किया, किताब की कोई भी प्रति न तो पेंगुइन द्वारा बेची गई है और न ही किसी को बांटी गई है। प्रकाशक ने चेतावनी दी है कि यदि इस किताब का कोई भी हिस्सा या पूरी पीडीएफ ऑनलाइन या ऑफलाइन साझा

की जा रही है, तो वह सीधे तौर पर कॉपीराइट का उल्लंघन है और इसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस मामले में अब कानून का शिकंजा भी कसता जा रहा है। दिल्ली पुलिस ने किताब के प्री-पब्लिकेशन संस्करण के अवैध प्रसार को लेकर एक एफआईआर (स्त्रह्वक्र) दर्ज की है। पुलिस जांच में सामने आया है कि कुछ वेबसाइट्स और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर इस किताब की टाइपसेट पीडीएफ कॉपी और फाइनल कवर अवैध रूप से प्रसारित किए जा रहे हैं। सुरक्षा एजेंसियां इस बात की गहराई से जांच कर रही हैं कि सेना के पूर्व प्रमुख की संवेदनशील यादों वाली यह किताब आधिकारिक मंजूरी से पहले ही इंटरनेट पर कैसे लीक हो गई। जनरल एम.एम. नरवणे, जो दिसंबर 2019 से अप्रैल 2022 तक भारतीय सेना के 28वें प्रमुख रहे, उनकी यह आत्मकथा उनके करीब चार दशक लंबे सैन्य करियर के अनुभवों का निचोड़ है। रिपोर्ट्स के अनुसार, इस किताब में 1962 के बाद भारत और चीन के बीच हुए सबसे भीषण सैन्य टकराव यानी 'गलवान घाटी हिंसा' जैसे अहम घटनाक्रमों का विस्तार से जिक्र किया गया है। माना जा रहा है कि इसमें गलवान क्लैश के दौरान केंद्र सरकार के आदेशों और जमीनी हकीकत को लेकर कई बड़े खुलासे हो सकते हैं, यही वजह है कि इसके प्रकाशन से पहले ही इतना बड़ा बवाल खड़ा हो गया है।

नरवणे ने पेंगुइन के बयान को सोशल मीडिया पर किया पोस्ट

पूर्व सेना प्रमुख जनरल मनोज मुकुंद नरवणे की अप्रकाशित किताब को लेकर संसद में गतिरोध जारी है। इसी बीच पूर्व सेना प्रमुख ने मंगलवार को विवाद पर विराम लगा दिया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर किताब से संबंधित प्रकाशक पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया के आधिकारिक बयान को रीपोस्ट किया। इससे पहले प्रकाशन ने कहा था कि कंपनी द्वारा पुस्तक की कोई भी प्रति ''मुद्रित या डिजिटल रूप में'' प्रकाशित, वितरित, बेची या किसी अन्य तरीके से जनता के लिए उपलब्ध नहीं कराई गई है। अब पेंगुइन इंडिया के ट्वीट पर रिट्वीट करते हुए जनरल एमएम नरवणे ने एक्स पर लिखा कि किताब की वर्तमान स्थिति यह है। इसी बीच प्रकाशन की ओर से एक अन्य बयान भी जारी किया गया है।

संक्षिप्त समाचार

शासकीय लघु वेतन कर्मचारी संघ के जिला अध्यक्ष बने जगेश्वर

बिर्रा। जनपद पंचायत बम्हनीडीह के अंतर्गत ग्राम पंचायत बिर्रा के कहरा पारा निवासी जगेश्वर प्रसाद कटकवार को छत्तीसगढ़ शासकीय लघु वेतन कर्मचारी संघ रायगढ़ के जिला अध्यक्ष बनाया गया है। शासकीय लघु वेतन कर्मचारी संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉक्टर के गणेशन के मार्गदर्शन में यह आदेश छत्तीसगढ़ शासकीय लघु वेतन कर्मचारी संघ रायपुर के प्रदेश अध्यक्ष पी आर साहू के द्वारा एक लेटर जारी कर जगेश्वर प्रसाद कटकवार को जिला अध्यक्ष के पद पर आदेश जारी करते हुए उसका मनोनीत किया गया है। वर्तमान में जगेश्वर प्रसाद कटकवार (हेल्पर अकुशल) सहायक विद्युत यांत्रिकी मिनीमाता बांगो बांध उप संभाग क्रमांक 4 खरसिया, जिला रायगढ़ में पदस्थ हैं। इसके साथ ही जगेश्वर प्रसाद को जिला, तहसील, विकासखंड आदि संगठन कार्य विस्तार करने के लिए अधिकृत किया गया है। जगेश्वर प्रसाद को छत्तीसगढ़ शासकीय लघु वेतन कर्मचारी संघ रायगढ़ के जिला अध्यक्ष बनाए जाने पर जगेश्वर प्रसाद ने कहा कि मै पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ अपने पद का उपयोग जनहित ,न्यायहित और राष्ट्रहित में काम करूंगा। पूरी लगन और ईमानदारी के साथ मेहनत करते हुए अपनी पद के गरिमा को बनाए रखने का प्रयत्न करूंगा। जगेश्वर प्रसाद के जिला अध्यक्ष के पद पर चयन होने पर छत्तीसगढ़ शासकीय लघु वेतन कर्मचारी संघ के अलावा ग्रामवासी और मित्रों ने हर्ष व्यक्त किए हैं।

फुंडा चौक में तेज रफ्तार वाहनों पर नहीं कोई लगाम,, स्पीड ब्रेकर नहीं होने से हर पल हादसे का खतरा, प्रशासन मौन

पाटन। स्टेट हाईवे पर स्थित फुंडा चौक आज क्षेत्र के लोगों के लिए जानलेवा साबित हो रहा है। दुर्गङ्कपाटन मुख्य मार्ग पर बसे इस चौक से रोज़ाना सैकड़ों छोटे-बड़े वाहन बेलगाम रफ्तार से गुजरते हैं, जिससे हर समय गंभीर सड़क हादसे की आशंका बनी रहती है।

हैरानी की बात यह है कि पिछले वर्ष इसी फुंडा चौक पर हुए सड़क हादसे में दो लोगों की दर्दनाक मौत हो चुकी है, इसके बावजूद आज तक यहां स्पीड ब्रेकर का निर्माण नहीं किया गया। यह चौक पाटन, दुर्ग, अंडा और जामगांव आर जाने वाले यात्रियों के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। यात्री बसों के इंतजार में लोग सड़क किनारे खड़े रहते हैं, लेकिन तेज रफ्तार वाहनों के कारण उनकी जान हमेशा खतरे में रहती है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि सांतरा और रायपुर मार्ग की ओर तो ब्रेकर बनाए गए हैं, लेकिन पाटन और दुर्ग की ओर जाने वाले मार्ग पर कोई ब्रेकर नहीं है, जबकि इसी दिशा में वाहनों की संख्या सबसे अधिक है। स्टेट हाईवे होने के कारण यहां लगातार भारी वाहनों का दबाव बना रहता है, जिससे ट्रैफिक का डब्बा और दुर्घटनाओं का खतरा और बढ़ जाता है।

इस गंभीर समस्या को लेकर ग्राम पंचायत फुंडा के पंच एवं समाजसेवी चंदू गोस्वामी ने प्रशासन से कड़ा सवाल किया है। उन्होंने मांग की है कि फुंडा चौक में तत्काल स्पीड ब्रेकर का निर्माण किया जाए, ताकि वाहनों की रफ्तार पर नियंत्रण हो और हादसों पर रोक लग सके।

चंदू गोस्वामी ने कहा कि, यह दुर्गङ्कपाटन का मुख्य मार्ग है, यहीं बस स्टैंड भी है और आए दिन हादसे होते रहते हैं। जनता की सुरक्षा के लिए स्पीड ब्रेकर बेहद जरूरी है। छत्तीसगढ़ शासन को इस ओर तुरंत ध्यान देना चाहिए।

अब बड़ा सवाल यह है कि क्या प्रशासन किसी और जान जाने का इंतजार कर रहा है?

या फिर फुंडा चौक पर स्पीड ब्रेकर तभी बनेगा जब कोई और हादसा हो जाएगा?

मनरेगा के कार्य को समय में पूर्ण करने के साथ कार्यों में लगाये पूर्णता प्रमाण पत्र - कलेक्टर महोबे

पीएम आवास के तहत निर्माण कार्यों को समय-सीमा करने के दिए निर्देश

विकसित भारत जी राम जी योजना का प्रचार-प्रसार करने व सूचना-शिक्षा-संचार गतिविधियां आयोजित करने के दिए निर्देश

जांजगीर-चांपा/ कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे ने आज कलेक्टोरेट कार्यालय सभाकक्ष में बैठक लेकर महात्मा गांधी नरेगा एवं पीएम आवास के कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। कलेक्टर श्री महोबे ने महात्मा गांधी नरेगा अंतर्गत संचालित समस्त निर्माण कार्यों में कार्य पूर्णता प्रमाण पत्र अनिवार्य रूप से लगाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने मनरेगा अंतर्गत संचालित निर्माण कार्यों को पूर्ण गुणवत्ता, पारदर्शिता एवं निर्धारित 15 मार्च 2026 की समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि निर्माण कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही या गुणवत्ता से समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा।

कलेक्टर ने कहा कि निर्माण कार्य के दौरान नियमित निरीक्षण कर कार्यों की प्रगति सुनिश्चित की जाए। कलेक्टर ने कहा कि मनरेगा के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में आजीविका सृजन के साथ-साथ उपयोगी परिसंपत्तियों का निर्माण किया जाना चाहिए।

कार्यों की गुणवत्ता जांच हेतु तकनीकी अमले को सतत निगरानी रखने के निर्देश दिए गए हैं। इस दौरान जल संरक्षण, कृषि, आजीविका के कार्यों को प्राथमिकता के साथ करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही जनभागीदारी से सोखता गड्ढा बनाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत संचालित कार्यों को प्राथमिकता के साथ प्रारंभ करने, लंबे समय से अप्रारंभ आवास कार्यों को शीघ्र शुरू करने तथा निर्धारित समय-सीमा में आवास पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने मनरेगा अंतर्गत पंजीकृत समस्त श्रमिकों का ई-केवाईसी अनिवार्य रूप से पूर्ण कराने के निर्देश दिए हैं। बैठक में उन्होंने कहा कि प्रत्येक पात्र परिवार को समय पर पक्का आवास उपलब्ध कराना सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि आवास निर्माण में आ रही सभी समस्याओं को तत्काल दूर किया जाए एवं निर्माण कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग की जाए। उन्होंने कहा कि कार्य में लापरवाही पाए जाने पर जिम्मेदारों के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर ने विकसित भारत जी राम जी योजना के प्रभावी प्रचार-प्रसार के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि योजना की जानकारी ग्रामीणों तक पहुंचाने के लिए ग्राम पंचायत स्तर पर सूचना-शिक्षा-संचार गतिविधियां आयोजित की जाएं, ताकि आम नागरिक योजना से अवगत हो सकें। इस दौरान जनपद पंचायत सीईओ, प्रभारी सहायक परियोजना अधिकारी मनरेगा, जिला समन्वयक पी एम आवास एवं जनपद स्तर के अधिकारी, कार्यक्रम अधिकारी तथा संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना: जिले के 141 जोड़ों का सामूहिक विवाह संपन्न

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने नव दंपत्तियों को दिया आर्शीवाद

जांजगीर-चांपा/ महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत सामूहिक विवाह कार्यक्रम का आयोजन प्रदेश भर में किया गया। जिसके तहत आज जिले के 141 पात्र जोड़ों का पारंपरिक धार्मिक रीति-रिवाजों के साथ विवाह कराया गया। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय रायपुर में आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने वर्चुअली जुड़कर सभी नव विवाहित जोड़ों को आर्शीवाद दिया। कार्यक्रम के दौरान बारात में सभी अतिथगण शामिल होते हुए नव विवाहित जोड़ो को आशीर्वाद देते हुये उन्हें खुशहाल दाम्पत्य जीवन में प्रवेश हेतु शुभकामानाएं दिए।

जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती अनिता अग्रवाल द्वारा सभी अतिथियों को कार्यक्रम की रुपरेखा से अवगत कराया गया। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग के द्वारा अवगत कराया गया कि कन्या दान की वस्तु नहीं है, कन्या जन्मोत्सव को प्रोत्साहन, सामाजिक समरसता को प्रेरित करते हुये, नव दाम्पति को आशीर्वाद प्रदान किया गया। इसके साथ ही समाज में बालिकाओं के उन्मुखीकरण हेतु उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ने एवं उनको आत्मनिर्भर बनाने के संबंध में प्रोत्साहित किया। इसके साथ ही विभाग के विभित्र योजनाओ का प्रचार-प्रसार किया गया। इस दौरान उपस्थित सभी को बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ एवं बाल विवाह रोकथाम हेतु शपथ कराया गया।

कार्यक्रम में विधायक जांजगीर-चांपा श्री ब्यास कश्यप, पूर्व सांसद श्रीमती कमला देवी पाटले, जिला पंचायत अध्यक्ष इंजी. सत्यलता मिरी, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती उमा राजेन्द्र राठौर, जिला पंचायत सदस्य श्री राजकुमार साहू, जनपद पंचायत नवागढ़ अध्यक्ष श्रीमती शांता मनमोहन कश्यप, श्रीमती नंदिनी राजवाड़े, श्री अमर सुलतानिया, इंजी. रवि पांडेय, श्रीमती रजनी सत्तु साहू, सहित जनप्रतिनिधि, सदस्य बाल कल्याण समिति एवं किशोर न्याय बोर्ड, महिला एवं बाल विकास विभागीय से समस्त परियोजना अधिकारी एवं अधिकारी, कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

मंत्री गुरु खूशवंत साहेब ने न्यू आदर्श युवा संगठन के सभी पदाधिकारियों से बैठक लिया

अहिवारा (समय दर्शन)। गुरु खुशवंत साहेब (कौशल विकास तकनीकी एवं रोजगार अनुसूचित जाति विकास मंत्री छग शासन के नेतृत्व मे न्यू आदर्श युवा संगठन ग्राम नंदिनी खुंदिनी तहसील अहिवारा जिला दुर्ग छत्तीसगढ़ के सभी पदाधिकारियों की विशेष बैठक लिया गया !

जिसमे समाज को नई दिशा निर्देश तथा भाई चारे और बाबा गुरु घासी दास जी के बताये गये मार्ग मे चलने तथा मनखे मनखे एक समान का उपदेश दिये गये राह पर चलने का गुरु मंत्र बताये

और न्यू आदर्श युवा संगठन को मजबुत और संगठित रहने के लिये नई दिशा निर्देश बताये

और संगठन के सभी पदाधिकारियों द्वारा गुरु जी का भव्य स्वागत किये

तथा संगठन के द्वारा कूछ मांगो को गुरु जी के सामने रखे और गुरूजी ने संगठन के मांगो को बहुत जल्दी पुर्ण करने का आश्वासन दिया गया

गुरु जी ने संगठन के सभी सदस्यों को गिरौद पूरी मेला आने का आमंत्रण दिया गया और मेला

मे शान्ति सुरक्षा सद्भावना बनाये रखने का दिशा निर्देश दिये

जिसे न्यू आदर्श युवा संगठन के सभी सदस्यों के मन के खुशी की माहौल है

गुरूजी ने संगठन के श्री दिनेश चतुर्वेदी जी (संस्थापक भीम रेजिमेंट छत्तीसगढ़) , अध्यक्ष श्री देवऋषि घिदोडे , श्री सँजु गायकवाड़ जी (सलाहकार)

श्री समीर जांगडे (कोषाध्यक्ष) , श्री खिलेश घिदोडे , (उपकोषाध्यक्ष) , श्री सागर घिदोडे (सहकोषाध्यक्ष) , श्री हलधर कुर्रे (मंच व्यवथापक) , श्री चितेश महिलाग (सचिव) श्री रांधिर (सह सचिव) श्री संजय देशलहरे (सहउप सचिव) , श्री राजेश जाँगड़े (सतिदार), श्री हर्ष वर्धन घिदोडे , श्री मोनु घिदोड़े , श्री सनिल जांगडे , श्री रुपेश साहू , श्री संतोष गोलु साहु , श्री प्रह्लाद गेंन्ड्रे , श्री भुनेश्वर गेंड्रे , श्री मुकेश महिलाग , श्री राकेश लहरे (शिक्षक) , श्री रिशु खिलारे , श्री राजेश कुर्रे , श्री संत राम आडिल , श्री दिलिप बंजारे , श्री महेंद बंजारे (भंडारी) , श्री सौरभ गायकवाड़ (वाहन चालक) , श्री शिव टंड़न , श्री इन्द्र कुमार बंजारे , डॉ संतोष साहू जी , डॉ के के जाँगड़े , श्री सत कुमार साहू जी ,डॉ सदा नंद बक्सी जी , डॉ अमित विश्वास जी , डॉ बलदाऊ निर्मलकर जी , श्री भागीरथी पटेल जी , श्री शेष नारायण पटेल जी , श्री पुरषोत्तम पटेल जी , श्री मनोज पटेल जी , श्री राम चंद जाँगड़े श्री लोमश मनघोघरे जी (सरपंच) , श्री जसपाल जांगड़े जी , श्री मुकेश जोशी जी, से भेट मुलखात और गोपनीय बैठक लिया

निःशुल्क ॥ऋजांच शिविर से थैलेसीमिया व सिकलसेल बच्चों को मिलेगी नई उम्मीद

रायपुर। काश फाउंडेशन की अध्यक्ष सुरेश काजल सचदेव ने पत्रकार वार्ता में बताया कि थैलेसीमिया एवं सिकलसेल जैसी गंभीर बीमारियों से पीड़ित बच्चों के लिए 13 फरवरी 2026 को सचदेव धर्मशाला हाल रमन मंदिर मार्ग फाफाडीह रायपुर में निःशुल्क HLA जांच एवं परामर्श जागरूकता शिविर आयोजित किया जा रहा है। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य दूर-दराज़ एवं ग्रामीण अंचलों के जरूरतमंद बच्चों तक जांच और परामर्श की सुविधा पहुँचाना है।यह महाकुंभ है जिसमें देश के कोने कोने बिहार, झारखंड मध्यप्रदेश,उड़ीसा, महाराष्ट्र से बच्चे आ रहे है

13,000 प्रति व्यक्ति का HLA टेस्ट DKMS बंगलौर संस्था की तरफ से निःशुल्क किया जा रहा। यह मुंह की लार से होता है रिपोर्ट लगभग 4 माह में जर्मनी से आती है, नारायणा हेल्थ सिटी के डा सुनील भट जो कि

अभी तक ढाई हजार बोन मैरो ट्रांसप्लांट कर चुके है इन बच्चों को परामर्श देंगे और टेस्ट करेंगे, ल्यूकेमिया अपलास्टिक एनीमिया कैंसर और सिकलसेल के बच्चे भी डा को निःशुल्क दिखा सकते। निःशुल्क अवसर मिल रहा तो सभी पीड़ित परिवारों को इन कैंप में अनिवार्य ही आना चाहिए, ताकि उचित मार्गदर्शन मिल सके।

HLA जांच के माध्यम से बोन मैरो ट्रांसप्लांट की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया जा सकता है, जिससे कई बच्चों को जीवनदान मिल सकता है। काश फाउंडेशन लगातार पीड़ित बच्चों और उनके परिवारों को सहयोग, मार्गदर्शन एवं जागरूकता प्रदान कर रहा है। फाउंडेशन ने आमजन से अपील की है कि अधिक से अधिक लोग इस जानकारी को साझा करें, ताकि कोई भी जरूरतमंद बच्चा इस अवसर से वंचित न रहे।

फरार आरोपी को पकड़ने में थाना अजाक पुलिस को मिली बड़ी सफलता

आरोपी द्वारा अपने अन्य साथियों के साथ जातिगत गाली- गलौज करते हुए मारपीट कर हो गया था फरार

जांजगीर-चांपा। घटना दिनांक 28.12.25 को अपने साथियों के साथ रवि कुमार गुप्ता द्वारा सीमांकन कराई गई भूमि पर सीमेंट का खंभा गाड़ने का कार्य कर रहे थे। इसी दौरान आरोपी हेमंत कुमार शर्मा द्वारा अपने अन्य साथियों के साथ एक राय होकर मौके पर पहुंचे और सार्वजनिक जगह पर प्रार्थी को जातिसूचक अश्लील गालियाँ देते हुए जान से मारने की धमकी देते हुए मारपीट कर चोट पहुँचाई गई थी। प्रार्थी की शिकायत एवं प्रारंभिक जांच के आधार पर थाना अजाक में अपराध क्रमांक 02/2026 अंतर्गत धारा 296, 351(2), 191(2), 191

बीएनएस एवं धारा 3(2)(5क), 3(1)(द)(ध) अनुसूचित जाति/जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया था।

प्रकरण के आरोपी हेमंत कुमार शर्मा घटना दिनांक से फरार चल रहा जिसकी लगातार पातासाजी की जा रही थी इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक श्री विजय कुमार पाण्डेय के निर्देशन में सायबर टीम एवं थाना अजाक के टिम द्वारा आरोपी को पकड़ा जिसको हिरासत में लेकर पूछताछ करने पर जुर्म स्वीकार किए जाने से विधिवत गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय जांजगीर में पेश किया गया।

उपरोक्त कार्यवाही में निरीक्षक रंजीत सिंह कंवर थाना प्रभारी अजाक एवं प्रधान आरक्षक गणेश कौशिक का सराहनीय योगदान रहा।

भागवत कथा के छठवें दिन सरस संगीतमय भागवत कथा में झूम उठे श्रद्धालु

बसना (समय दर्शन)। तरेकेला में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा श्रद्धा और भक्ति का पर्याय बन चुका है। श्रीराम प्रभु के नाम अयोध्या से पधारी कथावाचिका दीदी ज्योति शास्त्री जी के मुखारविंद से सरस संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा सत्संग प्रवाह के भक्तिमय वातावरण में श्रद्धालु सतत विगत दिनों से गोता लगा रहे हैं।

श्रद्धालु भक्त वृंद दीदी जी के सत्संग में खूब झूमते गाते नजर आये।

मंगलवार को श्रीमद्भागवत कथा प्रवाह के छठवें दिन कथा स्थल पर रूक्मणी विवाह के पावन कथा व मनमोहक झांकी आकर्षण का केंद्र रहा।

प्रतिदिन श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ती जा रही है। ग्रामीणों एवं

आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में भक्त कथा श्रवण हेतु तरेकेला पहुंच रहे हैं।

ग्राम तरेकेला के साथ क्षेत्र के लोग कथा में सहयोगी बन रहे हैं।

कथा आयोजक प्रमुख महंत लखन मुनि साहेब ने श्रीमद्भागवत कथा के सफ्ल आयोजन सहयोग हेतु सभी ग्राम एवं क्षेत्रवासियों को धन्यवाद देते हुए मंगलकामना की।

प्रतिदिन अपराह्न 03,:00बजे कथा प्रारंभ होकर

सायं 6:30 बजे आरती के साथ कथा विश्राम होता है।

इसअवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला पंचायत सभापति सीमा त्रिलोचन नायक, भूमिदाता परिवार मोतीलाल दाऊ,

लक्ष्मी पारेश्वर,गौ सेवक जयंतीलाल अग्रवाल, विहिप विभाग मंत्री सौरव अग्रवाल,ब्यूरो चीफआर.के. दास, ब्यूरो चीफएवं श्रीराम जानकी मंदिर समिति बसना के सचिव

अभय धृतलहरे, मानस प्रवचक देवराम डड़सेना,जमुना प्रेमसागर पटेल,संवाददाता अरुण साहू, सहित अन्य गणमान्य जनों ने भी भागवत कथा में सहभागिता कर धर्मलाभ अर्जित किया।

उल्लेखनीय है कि जो श्रद्धालु कथा स्थल पर उपस्थित नहीं हो पा रहे हैं, वे महंत लखन मुनि साहेब के यूट्यूब चैनल "Mahant Lakhan Muni Live" के माध्यम से घर बैठे ऑनलाइन भागवत कथा का सीधा प्रसारण देख व सुन सकते हैं।

इस दौरान वृन्दावन वाले शशिकांत त्रिपाठी,संत दयाराम, लक्ष्मी पारेश्वर,जमुना प्रेमसागर पटेल, नेपाल हिरदय पटेल, लखन नायक, मोतीलाल पटेल,धनसाय पटेल,हेमप्रसाद पारेश्वर, त्रिलोचन पारेश्वर,मोहन खाण्डेल,ब्रीज जगत, मुरारी नायक, नेतलाल पटेल, अंजोरमोती पारेश्वर, खीरबाई पटेल,मेमबाई ललित पटेल,जीवनबाई उदल सिदार,कोकिल कंचन पटेल,युवा लोक सेवा समिति से सूरज नायक, पप्पू शेष, सुरेश पटेल,जीवन पटेल,चंदन सिदार, गोविंद पटेल, राजू गजेन्द्र पटेल,राज नायक,मोहन सजन पटेल, संतलाल सिदार,कलप पटेल एवं

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने 283 जोड़ों को दिया आशीर्वाद

छत्तीसगढ़ सरकार की मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना की सराहनीय पहल

रायपुर। छत्तीसगढ़ की साय सरकार की संवेदनशील और कल्याणकारी सोच का प्रतीक बनी मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत मंगलवार को राजिम के नवीन मेला मैदान में 283 जोड़ों का सामूहिक विवाह धूमधाम से संपन्न हुआ। इस ऐतिहासिक आयोजन के मुख्य अतिथि प्रदेश के संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री श्री राजेश अग्रवाल रहे, जिन्होंने नवदंपतियों को आशीर्वाद प्रदान किया। अध्यक्षता राजिम विधायक श्री रोहित साहू ने की। राज्य सरकार की इस योजना ने जरूरतमंद परिवारों को आर्थिक बोझ से मुक्ति दिलाई है, जो समाज के हर वर्ग के लिए वरदान साबित हो रही है।

संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि आज के दौर में बेटी की शादी हर परिवार के लिए बड़ी चिंता का विषय बन गई है, लेकिन छत्तीसगढ़ की साय सरकार की मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना ने इसे सुलझा दिया है। इस योजना के तहत प्रति जोड़े 50 हजार रुपये की सहायता दी जाती है, जिसमें 35 हजार रुपये वधु के बैंक खाते में सीधे हस्तांतरित होते हैं। शेष 15 हजार रुपये श्रृंगार सामग्री, व्यवस्था और अन्य खर्चों पर व्यय किए जाते हैं। श्री अग्रवाल ने कहा कि यह योजना जरूरतमंद परिवारों को सम्मानजनक तरीके से बेटी का विवाह करने में सहारा देती है। पूरे रीति-रिवाजों के साथ एक साथ इतने जोड़ों का विवाह होना समाज के लिए गौरव का विषय है। उन्होंने जिला प्रशासन और महिला एवं बाल विकास विभाग की सराहना की तथा नवदंपतियों को सुखी वैवाहिक जीवन की शुभकामनाएं दीं।इस भव्य समारोह में राजिम विधानसभा क्षेत्र के 94, बिन्द्रनवागढ़ के 181 तथा कुरूद विधानसभा के 8 जोड़े शामिल हुए। राज्य सरकार की इस दूरदर्शी योजना ने आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को नई उम्मीद दी है। विधायक श्री रोहित साहू ने कहा कि मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना सरकार की जनकल्याणकारी भावना का जीवंत उदाहरण है।

योजना की सबसे प्रेरणादायक कहानी जोड़ों ने मुख्यधारा में लौटकर नई जिंदगी अपनाई है। इनमें दिलीप उर्फ संतु, मंजुला उर्फ लखमी, दीपक उर्फ भीमा मंडावी, सुनीता उर्फ जुनकी, कैलाश उर्फ भीमा, रनीता उर्फ पायकी कारम तथा राजेंद्र उर्फ कोसा मुरिया, जैनी उर्फ देवे मड़कम शामिल हैं। इस अवसर पर कलेक्टर श्री बीएस उइके, पुलिस अधीक्षक श्री वेदव्रत सिरमौर, जिला पंचायत सीईओ श्री प्रखर चंद्राकर, जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री अशोक पाण्डेय के अलावा पूर्व विधायक श्री संतोष उपध्याय, राजिम नगर पालिका अध्यक्ष श्री महेश यादव, विभिन्न जनपद पंचायतों के अध्यक्षगण श्रीमती इंद्राणी साहू, श्रीमती मीरा ठाकुर, श्री सोहन ध्रुव तथा बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। जिला पंचायत अध्यक्ष श्री गौरीशंकर कश्यप ने भी संबोधित किया। राज्य सरकार की यह योजना न केवल आर्थिक सहायता प्रदान कर रही है, बल्कि सामाजिक एकता को मजबूत करने का कार्य भी कर रही है।

रही चार आत्मसमर्पित नक्सली जोड़ों की। कांकेर, सुकमा और बीजापुर जिले से इन

संक्षिप्त समाचार

पीएमजी एवं प्रगति परियोजनाओं की मुख्य सचिव ने की समीक्षा

रायपुर। मुख्य सचिव श्री विकासशील ने आज यहां मंत्रालय महानदी भवन में छत्तीसगढ़ राज्य के अंतर्गत केन्द्र शासन की पीएमजी प्रगति परियोजनाओं के अंतर्गत आने कार्यों की समीक्षा की। मुख्य सचिव ने अधिकारियों को निर्देश दिए है कि छत्तीसगढ़ में पीएमजी एवं प्रगति पोर्टल के अंतर्गत आने वाली परियोजनाओं से संबंधित सभी कार्यों को आपसी समन्वय से निपटाएं। उन्होंने टेलीकॉम, वन तथा एससीसीएल, रेल्वे एवं अन्य संबंधी विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए है कि वे परियोजनाओं के कार्य को गतिशील बनाने के लिए कार्य करें। बैठक में वाणिज्य एवं उद्योग के सचिव श्री रजत कुमार, इलेक्ट्रॉनिक एवं सूचना प्रौद्योगिकी के सचिव श्री अंकित आनंद सहित वन, रेल्वे, खनिज एवं जिलों के कलेक्टर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए शामिल हुए।

रसोईया संघ के हड़ताल पर सरकार की हठधर्मिता से स्कूली बच्चों को नहीं मिल पा रहा है मध्यान भोजन - दीपक बैज

रायपुर :- रसोईया संघ के हड़ताल पर सरकार की हठधर्मिता से स्कूली बच्चों को मध्यान भोजन नहीं मिल पा रहा है, बच्चे भूखे पेट घर लौटने मजबूर हैं। स्कूलों में अव्यवस्था और रसोईया संघ के आंदोलन के लिए भाजपा सरकार को जिम्मेदार ठहराते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा है कि यह सरकार जायज़ मांगों पर निर्णय लेने के बजाय अनशन पर बैठे मध्यान भोजन रसोईया संघ आंदोलनकारियों पर सैकड़ों एफ्आईआर दर्ज करके जेल भेजने का डर दिखा रही है। यह सरकार कर्मचारियों की मांगे सुनने तक के लिए तैयार नहीं है, उल्टे बर्बरता पर उतर आई है, आंदोलन को कुचलने प्रशासनिक आतंक फैलाया जा रहा है। विधानसभा चुनाव के दौरान मोदी की गारंटी बताकर किए गए वायदे को पुरा कराने ही रसोईया संघ को आंदोलन करना पड़ रहा है, 100 दिन के भीतर सभी अनियमित, संविदा कर्मचारियों को नियमित करने का वादा करके सत्ता में आयी भाजपा की सरकार अहंकारी हो गई है, और निर्ममता पूर्वक दमन पर उतर आई है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा है कि भाजपा सरकार की वादाखिलाफी के चलते ही आंदोलनकारी प्रदर्शन के लिए मजबूर हुए हैं। केवल 500 रुपए मासिक की वृद्धि का सरकार का प्रस्ताव अपर्याप्त है, कलेक्टर दर पर न्यूनतम मजदूरी ही तो मांग है इनकी, 66 रुपए में किसी परिवार का पेट नहीं भरता। 86 हजार से अधिक मध्यान भोजन रसोईयों में ज्यादातर ग्रामीण महिलाएं हैं जो छोटे-छोटे दुधमुंहे बच्चों को लेकर खुले आसमान के नीचे भरी ठंड में सवा महीने से आंदोलित हैं, आंदोलन के दौरान दुलारी यादव और रुक्मणी सिन्हा की मौत हो गई, लेकिन अब तक इस सरकार की आंखे नहीं खुली है, तूता धरना स्थल पर जानबूझकर शौचालय, पेयजल और प्राथमिक चिकित्सा जैसी मूलभूत सुविधाएं बाधित कर दी गई है, आंदोलनकारियों को जिम्मेदार नेता, मंत्री, और विधायक से मिलने से रोका जा रहा है, धक्का-मुक्की और मारपीट की जा रही है, अनशन के दौरान तबियत बिगड़ने पर एंबुलेंस तक की व्यवस्था नहीं किया जा रहा है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा है कि 500 से अधिक एफ्आईआर आंदोलित रसोईया संघ के लोगों पर किया गया है, शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे लोगो पर झूठे मुकदमे दर्ज किए जा रहे, जेल भेजने का डर दिखाया जा रहा है, यह सरकार आंदोलनकारियों को डराने, धमकाने में लगी है, गोल-मोल जवाब देकर झूठे दावे किए जा रहे हैं। दुलारी यादव और रुक्मणी सिन्हा की मौत पर भी यह सरकार परदेदारी करने साज़िश रच रही है। बहाने बाजी छोड़कर सरकार को संवेदनशीलता दिखाना चाहिए, कर्मचारी संघ से तत्काल चर्चा कर समाधान निकाले और आंदोलित रसोईया संघ के लोगों पर दर्ज एफआई आर तत्काल वापस ले सरकार।

भाजपा सरकार में छत्तीसगढ़ बना अपराध और नशे का गढ़, स्कूल, पुस्तकालय और अस्पताल तक सुरक्षित नहीं'

रायपुर :- राजधानी रायपुर और राजनांदगांव में स्कूली बच्चों पर चाकूबाजी और शिक्षण संस्थानों के आसपास बढ़ते नशे के अवैध कारोबार को भाजपा सरकार की अकर्मण्यता और नाकामी करार देते हुए प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि भाजपा की सरकार में जंगल राज कायम हो गया है। हाल ही में राजधानी के मोवा स्कूल में चाकू लहराते वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, अब राजनांदगांव के लाइब्रेरी में चाकूबाजी की घटना हैरान करने वाली है। जिन हाथों में कलम होनी चाहिए उन हाथों में चाकू और जिस पीठ पर बस्ता होना चाहिए उसपर ब्लेड का घाव पड़ रहा है। अस्पतालों के आसपास भी अवैध नशे का कारोबार बेख़ौफ़ फैल रहा है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि भाजपा की सरकार ने छत्तीसगढ़ को शांति के टापू से अपराध का गढ़ बना दिया है। गली गली में सुखे नशे का अवैध कारोबार सत्ता के संरक्षण में पनप रहा है। संस्कारधानी राजनांदगांव में ज्ञान के केंद्र लाइब्रेरी के पास स्कूली छात्र पर पीछे से धारदार हथियार से वार किया गया, दिन दहाड़े खुलेआम हथियार लहराकर दहशत फैलाना आम बात हो गया है, प्रदेश की जनता डर भय के माहौल में जीने मजबूर हैं, अब तो बच्चों को स्कूल भेजने में भी पालक डरने लगे हैं, अनहोनी की आशंका से अभिभावक चिंतित हैं। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि पूरे प्रदेश में सरेआम गोगो, हुक्का, ड्रग्स, गांजा, नशीली दवाएं बिक रही है। विगत दो वर्षों में भाजपा की सरकार में 50 हजार से ज्यादा आपराधिक घटनाएं घटित हुई जिनमें से 70 प्रतिशत से अधिक अपराध नशे के कारण हुए। यह सरकार अपनी अक्षमता छुपाने के लिए अवैध नशाखोरी को प्रश्रय दे रही है इसी वजह से अपराध बेलगाम हो गए हैं, अब तो अस्पताल, स्कूल और लाइब्रेरी तक अपराधियों के जद में आ गया है। गृह विभाग पूरी तरह से नाकाम साबित हुआ है।

ज्ञान, तकनीक और नवाचार के क्षेत्र में भी देश में विशेष पहचान बनाएगा छत्तीसगढ़ : मुख्यमंत्री साय

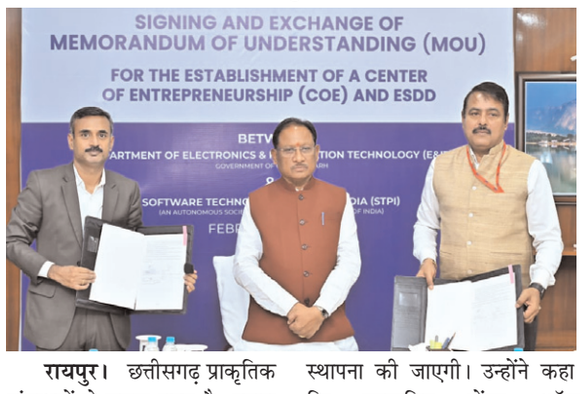

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध राज्य है। हमारा लक्ष्य है कि छत्तीसगढ़ ज्ञान, तकनीक और नवाचार के क्षेत्र में भी देश में अपनी विशिष्ट पहचान बनाए। छत्तीसगढ़ सरकार राज्य को ज्ञान, तकनीक और नवाचार के क्षेत्र में अग्रणी बनाने की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रही है।आधुनिक अधोसंरचना, प्रभावी ई-गवर्नेंस प्रणाली और निवेश-अनुकूल नीतियों के चलते छत्तीसगढ़ आज आईटी, आईटीईएस एवं इमरजिंग टेक्नोलॉजी आधारित उद्योगों के लिए एक भरोसेमंद और आकर्षक गंतव्य के रूप में उभर रहा है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज अपने निवास कार्यालय में इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, छत्तीसगढ़ शासन एवं सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफइंडिया (एसटीपीआई) के मध्य हुए महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) उपरांत कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि युवाओं में उद्यमिता विकसित करने और उन्हें आईटी एवं आईटीईएस जैसे क्षेत्रों में विश्वस्तरीय अवसर राज्य के भीतर ही उपलब्ध कराने की दिशा में यह पहल की गई है। इस एमओयू के तहत राज्य में सेंटर ऑफ एंटरप्रेन्योरशिप (ष्टश्रश्च) एवं इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम डिजाइन एंड डेवलपमेंट (श्वस्ष्ठ) सेंटर की स्थापना की जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित सेंटर ऑफ एंटरप्रेन्योरशिप के माध्यम से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, वन एवं औषधीय उत्पाद आधारित मेडटेक, स्मार्ट सिटी समाधान तथा स्मार्ट कृषि जैसे चार महत्वपूर्ण क्षेत्रों में नवाचार और स्टार्ट-अप को प्रोत्साहन मिलेगा। साथ ही, एक अत्याधुनिक इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम डिजाइन एंड डेवलपमेंट (श्वस्ष्ठ) सेंटर की स्थापना की जाएगी, जो प्रति वर्ष लगभग 30 से 40 हार्डवेयर स्टार्ट-अप और एमएसएमई को प्रोडक्ट डिजाइन, प्रोटोटाइपिंग, कौशल विकास एवं क्षमता निर्माण की सुविधाएं प्रदान करेगा। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि इस पहल से प्रदेश के युवाओं को राज्य के भीतर ही इनक्यूबेशन, मेंटरशिप, फंडिंग और आधुनिक प्रयोगशालाओं की सुविधा उपलब्ध होगी। इससे उच्च कौशल वाले युवाओं का बड़े शहरों की ओर पलायन रुकेगा और स्थानीय स्तर पर रोजगार एवं उद्यमिता को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने एसटीपीआई जैसी राष्ट्रीय स्तर की प्रतिष्ठित संस्था के सहयोग को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि देशभर में 68 केंद्रों और 24 सेक्टर-विशेष सेंटर ऑफ एंटरप्रेन्योरशिप के माध्यम से एसटीपीआई का व्यापक अनुभव छत्तीसगढ़ के स्टार्ट-अप और नवाचार इकोसिस्टम को नई ऊँचाइयों तक ले जाएगा।

मुख्यमंत्री से छत्तीसगढ़ रियल एस्टेट वेलफेयर एसोसिएशन के प्रतिनिधिमंडल ने की मुलाकात

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय से कल यहां उनके निवास कार्यालय में छत्तीसगढ़ रियल एस्टेट वेलफेयर एसोसिएशन के प्रतिनिधिमंडल ने सौजन्य मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने राज्य सरकार द्वारा जमीन की गाइडलाइन का पुनर्मूल्यांकन कर उसमें रियायत प्रदान करने के निर्णय के लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री को गजमाला पहनाकर प्रतिनिधिमंडल ने उनका सम्मान किया। एसोसिएशन के सदस्यों ने कहा कि इस निर्णय से रियल एस्टेट क्षेत्र को नई गति मिलेगी तथा आम नागरिकों को भी राहत प्राप्त होगी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार जनता के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। भूमि गाइडलाइन दरों में संशोधन करते हुए इस बात का ध्यान रखा गया है कि इससे आम नागरिकों, किसानों, व्यवसायियों सहित सभी वर्ग के लोगों को सहूलियत मिले। उन्होंने कहा कि नई गाडलाइन दरों से आर्थिक

विकास को गति मिलेगी।

इस अवसर पर छत्तीसगढ़ रियल एस्टेट वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री महेंद्र आहूजा, श्री दीपक रहेजा, श्री राजीव अग्रवाल, श्री विजय पिंजानी, श्री अजय अग्रवाल, श्री प्रतीक अग्रवाल, श्री मुलकराज शर्मा, श्री रजत चाबड़ा, श्री विलास सुतार, श्री विनोद छितिजा, श्री विजय मोटवानी, श्री सनी सेवलानी तथा श्री गौरव खेतपाल सहित अन्य सदस्य भी उपस्थित रहे।

नक्सल प्रभावित क्षेत्र के बच्चों को मिला शैक्षणिक भ्रमण का अवसर

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की मंशा के अनुरूप वनांचल एवं नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में शिक्षा और जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में सुकमा जिला प्रशासन की पहल पर 'नियद नेल्लानार' योजना के अंतर्गत माध्यमिक शाला मिसमा और बालक आश्रम सामसट्टी के 40 विद्यार्थियों को शैक्षणिक भ्रमण कराया गया।

इस भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों को साइंस पार्क ले जाया गया, जहाँ उन्होंने विज्ञान से जुड़े विभिन्न प्रयोगों को प्रत्यक्ष रूप से देखा और समझा। न्यूटन के नियम, ऊर्जा के रूपांतरण, ध्वनि के सिद्धांत, धूप घड़ी से समय मापन, पेंडुलम की गति तथा दर्पणों से जुड़े प्रयोगों ने बच्चों में विज्ञान के प्रति रुचि बढ़ाई। इससे विद्यार्थियों को किताबों में पढ़े विषयों को व्यवहारिक रूप से समझने का अवसर मिला। भ्रमण के दौरान विद्यार्थी कलेक्टर कार्यालय भी पहुंचे, जहाँ उन्हें प्रशासनिक कार्यप्रणाली

की जानकारी दी गई। जिला शिक्षा अधिकारी ने विद्यार्थियों से संवाद कर उन्हें शिक्षा, अनुशासन और मेहनत के महत्व के बारे में बताया तथा आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों को तुंगल बांध भी ले जाया गया, जहाँ उन्होंने प्राकृतिक वातावरण, जैव विविधता और जल संरक्षण के महत्व के बारे में जानकारी प्राप्त की। इस शैक्षणिक भ्रमण से विद्यार्थियों में नई ऊर्जा और आत्मविश्वास का संचार हुआ। 'नियद नेल्लानार' योजना के माध्यम से शासन द्वारा वनांचल क्षेत्रों के बच्चों को शिक्षा से जोड़ने और उनके सर्वांगीण विकास के लिए सार्थक पहल की जा रही है।

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा 272 जोड़ों की सामुहिक विवाह में शामिल होकर आशीर्वाद प्रदान किया

मुख्यमंत्री कन्या विवाह में उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने घराती बन बारात परघाकर किया सभी का स्वागत

रायपुर। आज मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के अंतर्गत सामाजिक रिती-रिवाजों और अभुतपूर्व उत्साह के साथ कबीरधाम जिले के 272 जोड़े एक साथ सात फेरे लेकर अटूट बंधन में बंध गए। इस पावन अवसर पर मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय वर्चुअल माध्यम से जुड़कर नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद प्रदान किया।

सरदार पटेल मैदान में आयोजित इस समारोह में उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा शामिल वधुओं के परिजन बनकर शामिल हुए। इस अवसर में उन्होंने बारात का स्वागत करने के साथ सभी को परघाते हुए समधी की तरह सभी का अभिवादन किया। वरों एवं उनके परिजनों का फूल माला के साथ स्वागत करते हुए सभी का गले लगाकर अभिनंदन किया। उन्होंने परिणय सूत्र में बंधकर नए जीवन की शुरुआत करने वाले सभी नवदंपतियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में पंडित द्वारा वर-वधुओं को सात वचनों

का संकल्प दिलाया गया, जिसके साथ ही विवाह की रस्में संपन्न हुईं। उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने मंच पर पहुंचकर सभी नवदंपतियों को आशीर्वाद प्रदान किया और शासन की ओर से प्रत्येक जोड़े को 35-35 हजार रुपये की सहायता राशि का चेक और सामग्री भेंट किया।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने भी आशीर्वाद देते हुए कहा कि आज का दिन छत्तीसगढ़ के लिए ऐतिहासिक है, क्योंकि मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के माध्यम से अनेक जोड़े एक साथ विवाह के पवित्र बंधन में बंधकर अपने नए जीवन की शुरुआत कर रहे हैं। वर्ष 2005 में तत्कालीन मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की परेशानियों को समझते हुए मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना की शुरुआत की थी। पहले बेटियों की शादी के लिए परिवारों को कर्ज तक लेना पड़ता था, लेकिन इस योजना ने उनकी बड़ी चिंता दूर की है। इस पहल से गरीब और जरूरतमंद परिवारों को आर्थिक संबल मिला है और बेटियों का विवाह सम्मानपूर्वक संपन्न हो रहा है।

उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने नवदाम्पत वर एवं वधु को आशीर्वाद प्रदान करते हुए उनके सुखमय जीवन की कामना की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना से आज पूरे सम्मान के साथ कबीरधाम जिले के 272 बेटियों की विवाह पूरे रीति-रिवाज और सामाजिक परंपरा के साथ एक आदर्श विवाह के रूप में संपन्न कराया गया। आज हम सब इस सामुहिक विवाह के साक्षी बने और नवदाम्पत जोड़ों को एक साथ, एक स्थान और एक मंच पर उन्हें आशीर्वाद प्रदान करने का अवसर भी हम सबकों मिला।

उन्होंने कहा कि इस योजना के माध्यम से नवविवाहित जोड़ों को वर्तमान में 35 हजार रुपये की सहायता राशि प्रदान की जा रही है, जिससे उन्हें जीवन की नई शुरुआत में आर्थिक सहारा मिल सके। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि कवर्धा में रायपुर के बाद सबसे अधिक नवजोड़ों का विवाह एक साथ संपन्न हो रहा है, जो इस जिले के लिए गर्व की बात है। उन्होंने बताया कि यहां विवाह का यह आयोजन सार्वजनिक रूप से पूरे परंपरा और रीति-रिवाज के साथ किया जाता है, जिसमें पूरे जिले के लोग मिलकर सहभागिता निभाते हैं और समाज एक परिवार की तरह साथ खड़ा रहता है। उन्होंने नवजोड़ों को संदेश देते हुए कहा कि सुखी जीवन का सबसे बड़ा सूत्र एक-दूसरे को समझना, सम्मान देना और हर परिस्थिति में साथ निभाना है। आचार्यों द्वारा विधि-विधान से विवाह संस्कार संपन्न कराया गया है, अब सभी नवदंपति अपने वचनों को निभाते हुए जीवनभर साथ चलें और अपने परिवार को आगे बढ़ाएं।

संपादकीय

भारत और ईयू वार्ता

डॉनल्ड ट्रंप के मूड के हिसाब से कभी बंद, तो कभी खुलते अमेरिकी बाजार के दरवाजों से परेशानी के दौर में भारत और ईयू ने उस वार्ता को अंजाम तक पहुंचाया है, जो 19 वर्षों से खिंच रही थी। डॉनल्ड ट्रंप के प्रहार झेल रही दुनिया में भारत और यूरोपियन यूनियन (ईयू) ने मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) करके मजबूत संदेश दिया है। ट्रंप के मूड के हिसाब से कभी बंद, तो कभी खुलते अमेरिकी बाजार के दरवाजों से परेशानी के दौर में दोनों पक्षों ने उस वार्ता को अंजाम तक पहुंचाया है, जो 19 वर्षों से खिंच रही थी। इसके बावजूद एफटीए के लागू होने में अभी कम-से-कम एक वर्ष लगेगा। इसके तहत मिलने वाली रियायतों के संपूर्णत: लागू होने में तो सात साल लगेंगे। ईयू में ऐसे समझौतों पर मुहर लगने की प्रक्रिया दुरूह है। मसलन, अब समझौते के प्रारूप का वहां प्रचलित 24 भाषाओं में अनुवाद होगा। संबंधित देशों की हरी झंडी मिलने के बाद यूरोपीय संसद उसे पारित करेगी। उस प्रक्रिया से होकर निकले प्रारूप पर तब जाकर दस्तखत हो पाएंगे। चूंकि विवादास्पद मुद्दों को फिलहाल एफटीए से अलग रखा गया है, इसलिए संभावना है कि उपरोक्त प्रक्रियाएं निर्बाध पूरी हो जाएंगी। कृषि, निवेश संरक्षण, कार्बन टैक्स आदि फिलहाल एफटीए में शामिल नहीं हैं। पिछले वित्त वर्ष में भारत और ईयू के बीच व्यापार 136.5 बिलियन डॉलर का था। एफटीए लागू होने के बाद इसमें 41- 65 प्रतिशत तक वृद्धि होने का अनुमान है। अमेरिका के लगाए टैरिफ से भारत के जीडीपी को 1.6 फीसदी नुकसान का अंदाजा लगाया गया था। संभावना है कि उसमें से लगभग आधे की भरपाई ईयू से बढ़ने वाले व्यापार से हो जाएगी। इससे ईयू के वस्त्र बाजार में भारतीय उत्पाद बांग्लादेश और पाकिस्तान के उत्पादों का बाजार छीन पाएंगे। मगर महंगे वाहनों, नासपाती, कीवी, स्टील, फूड प्रोसेसिंग आदि के भारतीय कारोबार पर नकारात्मक प्रभाव भी पड़ेगा। बहरहाल, बदलती हुई दुनिया में निर्यात केंद्रित अर्थव्यवस्थाएं ऐसे ही उपायों से अपनी मुश्किलों से निकलने की जद्दोजहद कर रही हैं। पिछले हफ्ते दावो में कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने आह्वान किया था कि मध्यम श्रेणी की ताकतें उत्पीड़न से बचने के लिए मिल-जुल कर रास्ता निकालें। उसी तरह की एक राह निकालने की कोशिश भारत-ईयू ने की है। इससे भविष्य को लेकर फिलहाल माहौल में सकारात्मकता आई है। इसमें एक मजबूत संदेश निहित है।

मर्यादा हनन का सदन

प्रधानमंत्री मोदी लोकसभा में 'धन्यवाद प्रस्ताव' पर अपना जवाब नहीं दे सके। राष्ट्रपति अभिभाषण के संदर्भ में प्रधानमंत्री अपनी बात सदन में नहीं रख सके, जबकि वह सदन के नेता भी हैं। संसदीय इतिहास में यह अभूतपूर्व विडंबना है और देश की संसदीय व्यवस्था पर सवाल खड़े करती है। चूंकि स्पीकर ने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को पूर्व सेना प्रमुख जनरल नरवणे की कथित किताब के अंश सदन में पढ़ने की अनुमति नहीं दी, लिहाजा विपक्ष उबल रहा है। विरोध और गुस्से में, सदन में ही, पोस्टर-बैनर लहराए जा रहे हैं। यह कानून और संविधान का उल्लंघन है। कुछ नारे भी आपत्तिजनक हैं। संसद में हंगामा हो रहा है। क्या यही 'न्यू नॉर्मल' है? कमोबेश हंगामे के आसार की सूचना गृहमंत्री अमित शाह ने प्रधानमंत्री मोदी को दी होगी! गृहमंत्री और संसदीय कार्य मंत्री ने विपक्ष के नेताओं से भी बातचीत की, लेकिन कोई बर्फ नहीं पिघली। स्पीकर ओम बिरला ने अपने चैंबर में भी पक्ष और विपक्ष के नेताओं की बैठक बुलाई थी, लेकिन वहां भी उग्र और उत्तेजित संवाद हुआ, नतीजतन हंगामा जारी रहा। हमने संसदीय कवरेज के अपने अनुभव में देखा है कि जब प्रधानमंत्री बोलने के लिए खड़े होते हैं, तो विपक्ष का हंगामा खामोश हो जाता है। यह आचार-संहिता भी है, परंपरा भी है और प्रधानमंत्री पद के प्रति सम्मान भी है, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी के कालखंड में सत्ता और विपक्ष प्रतिद्वंद्वी नहीं, एक-दूसरे के 'कट्टर दुश्मन' बन गए हैं। प्रधानमंत्री मोदी को इससे पहले भी विपक्ष के हंगामे, शोर, नारेबाजी के बीच ही अपना भाषण देना पड़ा था। इस बार भी विपक्ष जबरदस्त विरोध पर आमादा है, क्योंकि नेता प्रतिपक्ष को बोलने नहीं दिया गया और विपक्ष के 8 सांसदों को सत्र भर के लिए निलंबित कर दिया गया है। जहां तक निलंबित सांसदों का सवाल है, हमारा मानना है कि ऐसे सांसदों की सांसदी ही बर्खास्त कर दी जाए। उसके लिए नियम-कानून में संशोधन किया जा सकता है। जिस तरह विपक्षी सांसदों ने 'वेल' में आकर कागज की चिन्दियां स्पीकर के आसन पर फेंकी थीं और मेजों पर चढ़ कर 'हुड़दंगी नृत्य' किया था, कमोबेश सदन में वह अक्षम्य होना चाहिए। पूर्व उपराष्ट्रपति एवं सभापति जगदीप धनखड़ के कार्यकाल में, राज्यसभा में भी, ऐसे हुड़दंग मचाए जा चुके हैं। वहां भी सांसद निलंबित किए गए थे। यदि विपक्ष की यही विरोध-शैली बन गई है, तो यकीनन यह अराजकता, मर्यादाओं का हनन, अनुशासनहीनता और सदन के अध्यक्ष का अपमान है। संसद ऐसे हुड़दंगियों का सदन नहीं बनाई जा सकती। दलीलें दी जाती रही हैं कि विपक्ष में रहते हुए भाजपा ने भी ऐसे ही हंगामे मचाए थे, नतीजतन पूरे सत्र ही धुल गए थे। ऐसे अतीत आज प्रासंगिक नहीं हैं। हम संसद के भीतर ऐसे विरोध, हंगामे को न तो अभिव्यक्ति की आजादी मानते हैं और न ही विपक्ष का विशेषाधिकार मानने को तैयार हैं। लोकसभा में ही वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल को भारत-अमरीका व्यापार समझौते पर, विपक्षी शोर के बीच ही, अपना वक्तव्य पढ़ना पड़ा। ऐसी संसद का औचित्य क्या है? यह कोई अखाड़ा नहीं, भारत के लोकतंत्र का सर्वोच्च और गरिमापूर्ण मंदिर है, सर्वोच्च पंचायत भी है। संभवतः प्रधानमंत्री मोदी राज्यसभा में राष्ट्रपति अभिभाषण के संदर्भ में 'धन्यवाद प्रस्ताव' पर बोलेंगे। यदि उच्च सदन में भी विपक्ष की वही चिल्ल-पों हुई, तो क्या होगा? यह आलेख लिखे जाने तक प्रधानमंत्री मोदी लोकसभा में नहीं बोल पाए थे। अंततः लोकसभा में धन्यवाद प्रस्ताव ध्वनि मत से पारित कराना पड़ा। संसद के भीतर यह भी कर लो, क्योंकि एक घंटे में दसियों विधेयक, बिना चर्चा के, इसी सदन में पारित किए जाते रहे हैं। बहरहाल, संसद में जो हो रहा है, वह निरंकुशता और उच्छृंखलता है। क्या संसद इसीलिए बनी है?

जिन हाथों ने कभी बंदूक थामकर हिंसा को अंजाम दिया, वही प्रशिक्षण लेकर सीख रहे हुनर

नक्सल पुनर्वास नीति के तहत आत्मसमर्पित 40 माओवादियों को आजीविका मूलक गतिविधियों से जोड़ा जा रहा

मुख्यधारा में लौटने के बाद चौगेल कैंप में दिया जा रहा विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षण

तारा शंकर

अगर कुछ कर गुजरने का जज्बा मन में हो तो जीवन में हर काम आसान हो जाता है। इस कथन को आत्मसमर्पित माओवादियों ने चरितार्थ किया है। जिन हाथों ने कभी बंदूक थामकर हिंसा की राह अख्तियार किया था, आज उन्हीं हाथों को राज्य की नक्सल पुनर्वास नीति के तहत कुशल और दक्ष बनाने की कवायद जिला प्रशासन द्वारा की जा रही है। शासन की मंशानुसार ग्राम चौगेल (मुल्ला) कैंप में प्रशिक्षण देकर 'हिंसा से हुनर' की ओर लौटे माओवादियों को नया जीवनदान मिल रहा है।

आजीविका मूलक गतिविधियों का दिया जा रहा है प्रशिक्षण- कभी माओवाद गतिविधियों में संलिप्त रहे युवक-युवतियों को अब ड्राइविंग, सिलाई, काष्ठशिल्प कला, सहायक इलेक्ट्रिशियन जैसे विभिन्न ट्रेड में सतत् प्रशिक्षण दिया जा रहा है, जिससे वे समाज की मुख्य धारा में लौटने के बाद आजीविका मूलक गतिविधियों में कुशल होकर बेहतर ढंग से सम्मान पूर्वक जीवन निर्वाह कर सके।

चौगेल कैंप परिसर बना कौशलगढ़- वर्षों से लाल आतंक के साए में हिंसा का दंश झेल रहा बस्तर संभाग अब विकास की ओर शनै:-शनै: आगे बढ़ रहा है और माओवाद का दायरा धीरे-धीरे सिमटता जा रहा है। छत्तीसगढ़ सहित देश को माओवाद से मुक्ति दिलाने केंद्र सरकार के संकल्प को पूरा करने प्रदेश सरकार हरसंभव प्रयास कर रही है। वहीं हथियार उठाने वालों को भविष्य गढ़ने का सुनहरा अवसर भी सरकार द्वारा दिया जा रहा है। आत्मसमर्पित/पीड़ित नक्सल पुनर्वास नीति-2025 के अंतर्गत उन्हें विभिन्न सृजनात्मक और रोजगारमूलक गतिविधियों के तहत प्रशिक्षण दिया जा रहा है। भानुप्रतापपुर विकासखंड से लगे ग्राम चौगेल (मुल्ला) का बीएसएफ कैम्प परिसर 'कौशलगढ़' बन गया है, जहां समाज की मुख्यधारा में लौटे 40 आत्मसमर्पित माओवादियों को अलग-अलग पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षित किया जा रहा है, साथ ही उन्हें शिक्षित भी किया जा रहा है। आवश्यकतानुसार कक्षा पहली से आठवीं तक के पाठ्यक्रमों का नियमित अध्ययन कराया जा रहा है, जिसमें रूचि लेते हुए सभी आत्मसमर्पित माओवादी अपने भविष्य को पूरी शिद्दत से गढ़ने में संलग्न हैं। 20-20 का बैच बनाकर उन्हें हुनरमंद बनाने के सतत प्रयास किए जा रहे हैं।

ड्राइविंग सीखने का शौक अब पूरा हो रहा-मनहेर तारम- चारपहिया वाहन चालन का प्रशिक्षण ले रहे आत्मसमर्पित माओवादी 40 वर्षीय श्री मनहेर तारम ने बताया कि पिछले दो सप्ताह से उन्हें ड्रायविंग की ट्रेनिंग दी जा रही है, जिसे वे पूरी रूचि के साथ सीख रहे हैं। ट्रेनर द्वारा स्टेयरिंग थामने से लेकर क्लच, ब्रेक व एक्सिलरेटर का प्रयोग करना सिखाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि ड्रायविंग सीखने की चाहत अब पूरी हो रही है। इसके अलावा सिलाई और काष्ठशिल्प का प्रशिक्षण कैम्प में दिया जा रहा है। इसी तरह श्री नरसिंह नेताम ने बताया कि वह भी फोरव्हीलर की ड्रायविंग में अपना हाथ आजमा रहे हैं तथा यहां आकर ऐसी गतिविधियों से जुड़ रहे हैं, जिससे आगे का जीवन बेहतर हो सके। 19 साल के सुकदू पद्दा ने बताया कि यहां पिछले तीन महीने से ट्रेनिंग ले रहे हैं और खुद को आजीविका मूलक कार्यों से जोड़ रहे हैं, जबकि वह निरक्षर है। वहीं 19 वर्ष की कु. काजल वेड़दा ने प्रशिक्षण कार्यक्रम का अनुभव साझा करते हुए कहा कि यहां आकर अलग-अलग पाठ्यक्रमों में नियमित रूप से प्रशिक्षण दिया जा रहा है। उन्हें बचपन से कपड़ों की सिलाई करने की इच्छा थी, यहां आकर वह भी पूरी हो रही है। वहीं शिक्षकां के द्वारा प्राथमिक शिक्षा का भी वह लाभ ले रही हैं। इसी तरह कैंप में रह रहे जगदेव कोमरा, राजू नुरूटी, बीरसिंह मण्डावी, मैनू नेगी, सनऊ गावड़े, मानकी नेताम, सामको नुरूटी, उंगी कोर्राम, रमोती कवाची, मानकेर हुपेंडी, डाली सलाम, गेंजो हुपेंडी सहित सभी आत्मसमर्पित माओवादी अपनी रूचि अनुसार ड्राईविंग, काष्ठशिल्प कला, सिलाई मशीन तथा सहायक इलेक्ट्रिशियन ट्रेड में बेहतर ढंग से प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। उन्होंने यह भी बताया कि स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा उनका नियमितरूप से स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यकतानुसार दवाईयां दी जाती हैं। कैम्प में मनोरंजनात्मक गतिविधियां कैरम, वाद्य यंत्र, विभिन्न प्रकार के खेल भी आयोजित किया जाता है।

पुनर्वास कैंप के नोडल अधिकारी श्री विनोद अहिरवार ने बताया कि कलेक्टर उत्तर बस्तर कांकेर के निर्देशानुसार आत्मसमर्पित 40 माओवादियों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ते हुए विभिन्न पाठ्यक्रमों में 20-20 के बैच में चौगेल (मुल्ला) कैंप में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं और सभी को बेहतर ढंग से प्रशिक्षित किया जा रहा है। भविष्य में मशरूम उत्पादन, बागवानी सहित विभिन्न सृजनात्मक एवं स्वरोजगार मूलक पाठ्यक्रमों में जल्द ही प्रशिक्षण दिया जाएगा।

इस तरह आत्मसमर्पण कर मुख्यधारा में लौटे माओवादियों को राज्य शासन द्वारा अवसर देकर उन्हें आत्मनिर्भर तथा स्वरोजगारमूलक सकारात्मक कार्यों से जोड़ा जा रहा है, जिससे उन्हें सम्मानपूर्वक जीवन व्यतीत करने का मौका मिल सके।

लेखक सहायक संचालक जनसंपर्क हैं

मणिपुर में नई सरकार

मणिपुर में 2023 से उथल-पुथल मची हुई थी। वहां के मैतेयी समाज और खादौ समाज के बीच मामला इतना बढ़ गया था कि इस झगड़े में दोनों पक्षों के दो सौ से भी ज्यादा लोगों की जान चली गई। इतना ही नहीं, दोनों पक्षों के अपने-अपने क्षेत्रों में एक-दूसरे का प्रवेश करना मुश्किल हो गया। मुख्यमंत्री वीरेन सिंह हालत को संभालने में असफल हुए या असफल होना चाहते थे, इसको लेकर विवाद शुरू हो गया, जो अब मणिपुर के इतिहास में दशकों तक चलता रहेगा। तब केन्द्र सरकार ने दलीय राजनीति से ऊपर उठ कर अपनी ही पार्टी की सरकार को चलता कर दिया और प्रदेश में राष्ट्रपति राज लागू कर दिया। इसके बाद अनेक सामाजिक-सांस्कृतिक संगठनों ने मैतेयी समाज और खादौ समाज के बीच उत्पन्न गलतफहमियों को दूर करने के प्रयास शुरू किए। ध्यान रखना चाहिए जब मैं यहां खादौ समाज की बात कर रहा हूं तो उसके साथ मणिपुर के कुछ दूसरे छोटे समाज भी इस विवाद में जुड़े हुए थे। उसमें पाएते, गोएते इत्यादि लगभग दस-बारह समाज एकजुट थे। खादौ उनमें से सबसे बड़ा समाज है। इन सभी को खादौ भी कहा जा, लिखा जा सकता है। सामाजिक समरसता के इन प्रयासों में विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष युमनाम खेमचंद सिंह स्व-प्रेरणा से ही सक्रिय थे और पहाड़ में जाकर खादौ समाज से मिलते रहते थे।

अविश्वास के उन दिनों में शायद खेमचंद सिंह ही ऐसे इनसान थे जिन पर सभी समुदायों के लोग विश्वास करते थे। मणिपुर में आज किसी ऐसे नेतृत्व की ही जरूरत थी जिस पर पहाड़ में रहने वाले और घाटी में रहने वाले सभी समुदाय विश्वास करते हों। खेमचंद सिंह ही इस प्रकार का नेतृत्व प्रदान कर सकते थे। यही कारण है कि भारतीय जनता पार्टी ने मणिपुर की कमान उनके हाथों में देने का निर्णय किया और चार फरवरी को वे मणिपुर के नए मुख्यमंत्री बने हैं। उनके साथ दो उपमुख्यमंत्री भी नियुक्त हुए हैं। उनमें से एक खादौ समाज से हैं और दूसरे नागा समाज से हैं। खेमचंद सिंह ने अपने पहले ही वक्तव्य में कहा कि मणिपुर छत्तीस बिरादरियों (समुदायों) का प्रदेश है। सभी को मिलजुल कर एकात्म भाव से रहना है। इस मामले में मणिपुर हरियाणा से मिलता है। हरियाणा भी छत्तीस बिरादरियों का प्रदेश कहलाता है। उनमें कई बार विवाद भी होता है। इसलिए जब मनोहर लाल खट्टर हरियाणा के मुख्यमंत्री बने थे तो उन्होंने नारा दिया था, 'हरियाणा एक हरियाणवी एक'। खेमचंद सिंह का बयान भी इससे मिलता जुलता है। लेकिन मणिपुर की इन छत्तीस बिरादरियों में हरियाणा की छत्तीस बिरादरियों से एक अंतर है। मणिपुर की एक बिरादरी घाटी में रहती है और बाकी पैंतीस बिरादरियां पहाड़ पर रहती हैं। भेद को आधार बना कर राजनीति करने वाले लोग पहाड़ और घाटी में रहने वालों को लड़ा कर अपनी रोटियां सेंकते रहते हैं। कांग्रेस दशकों से वहां यही करती रही। लेकिन यह मणिपुर का सौभाग्य कहना चाहिए कि खेमचंद सिंह ने अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत कांग्रेस से नहीं की। उनकी राजनीति का आधार कहीं न कहीं सामाजिक समरसता में से निकला है। वे जाने-माने स्पोर्ट्समैन हैं। उनकी विचारधारा के आधार एकात्म मानवदर्शन में खोजने होंगे। यही कारण है कि बहुत से समाचारपत्रों ने लिखा कि खेमचंद सिंह को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की वैचारिकी में ही खोजना पड़ेगा। इसे भी संयोग ही कहा जा सकता है कि खेमचंद सिंह चार फरवरी को मुख्यमंत्री बने और फरवरी में ही मणिपुर के मधुमंगल शर्मा ने दीनदयाल उपाध्याय के एकात्म मानव दर्शन और सामाजिक समरसता का प्रदेश की छत्तीस बिरादरियों में प्रसार करते हुए अपने प्राण अर्पित कर दिए थे। 11 फरवरी, 1995 की प्रात:काल। पं. दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि थी। मधुमंगल शर्मा श्रीमद्भगवद गीता और एकात्म मानवदर्शन की एक प्रति सदा अपने पास रखते थे। गीता उनका आध्यात्मिक दर्शन था और एकात्म मानव दर्शन उसका व्यावहारिक पक्ष। मधुमंगल जानते थे कि मनुष्य की वास्तविक उन्नति उसके व्यावहारिक और आध्यात्मिक पक्ष के समन्वय से ही हो सकती है। उन्हें उस दिन पं. दीनदयाल उपाध्याय के एकात्म मानव दर्शन पर इंफाल के गिने-चुने बुद्धिजीवियों से चर्चा करनी थी। प्रात: 7.30 बजे का समय था। मधुमंगल अपने घर में बैठे थे। कुछ लोग उनसे चर्चा करने के लिए आए हुए थे। लेकिन मणिपुर को भारत से काट कर अलग देश बनाने के लिए हिंसा का सहारा ले रहे पीपुल्स लिबरेशन आर्मी को मधुमंगल शर्मा का यह अभियान नागवार गुजर रहा था। इस संगठन के लोगों ने विदेशी सहायता से भारत को, विशेषकर पूर्वोत्तर सीमांत क्षेत्र को खंडित करने का स्वप्न पाल रखा था। मधुमंगल शर्मा उनके स्वप्न को बार-बार खंडित करते थे। वे मणिपुर की छत्तीस बिरादरियों को जोड़ रहे थे। संगठन में ही बल है। अचानक पीएलए के दो आतंकवादी अंदर आए।

सीपीआई के आधार वर्ष में बदलाव: क्या बदला है और यह क्यों ज़रूरी है

सौरभ गर्ग

महंगाई देश के सबसे अहम आर्थिक संकेतकों में से एक है, जिसे आम लोग रोज़मर्रा की ज़िंदगी में सीधे महसूस करते हैं, जैसे घर का राशन, किराया और पेट्रोल-डीज़ल के खर्च में बढ़ोतरी से।

उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) इसी महंगाई को मापता है। यह उन चीज़ों और सेवाओं के दाम देखता है, जिनका इस्तेमाल आम परिवार रोज़ करता है। सरल शब्दों में, सीपीआई आम आदमी की ज़िंदगी का आईना है। यह बताता है कि थाली में खाने का खर्च कितना बढ़ा, घर का किराया कितना हुआ, और काम पर जाने के लिए ईंधन कितना महंगा हुआ।

सीपीआई भले ही एक आंकड़ा लगता हो, लेकिन यह सरकार को यह समझने में मदद करता है कि लोगों पर महंगाई का असली असर क्या है। इसी आधार पर वेतन, पेंशन और सामाजिक सुरक्षा से जुड़े फैसले किए जाते हैं, ताकि ज़रूरी चीज़ें आम लोगों की पहुंच में बनी रहें।

भारतीय रिज़र्व बैंक भी ब्याज दर और महंगाई को नियंत्रित करने जैसे फैसलों के लिए सीपीआई आधारित महंगाई को ही सबसे मुख्य पैमाना मानता है। इसलिए जब सीपीआई ज़मीन की हकीकत सही तरीके से दिखाता है, तब सरकार और आरबीआई की नीतियाँ भी लोगों की असली परेशानियों के अनुसार बेहतर बन पाती हैं।

महंगाई सिर्फ दाम बढ़ने का नाम नहीं है, बल्कि यह भी है कि दामों में बदलाव से घर के बजट पर कितना असर पड़ता है। इसलिए जितना ज़रूरी दामों को मापना है, उतना ही ज़रूरी यह भी है कि महंगाई का सूचकांक लोगों की आज की खर्च करने की आदतों को सही तरीके से दिखाए। इसी संदर्भ में भारत में सीपीआई के आधार वर्ष को 2012 से बदलकर 2024 किया जा रहा है।

पिछली बार आधार बदले जाने के बाद देश की अर्थव्यवस्था में बहुत बदलाव आया है। शहरों की आबादी बढ़ी है, सेवाओं का क्षेत्र बढ़ा है, डिजिटल प्लेटफॉर्म के कारण खरीदारी का तरीका बदला है और घरों का खर्च अब कई नई चीजों पर होने लगा है।

इसीलिए नया सीपीआई 2024 तैयार करने में 2023-24 के घरेलू उपभोग व्यय सर्वेक्षण के आंकड़ों का इस्तेमाल किया गया है।

समय के साथ लोगों की ज़रूरतें और खर्च बदलते हैं, इसलिए सीपीआई में अलग-अलग वस्तुओं और सेवाओं को दी जाने वाली अहमियत भी बदली गई है। जिन चीजों पर अब परिवार ज़्यादा खर्च करते हैं, उन्हें सीपीआई में ज़्यादा महत्व दिया गया है,

और जिन पर खर्च कम हो गया है, उन्हें कम महत्व दिया गया है।

इससे सीपीआई वही महंगाई दिखाता है, जो सच में आम परिवार के बजट को प्रभावित करती है। साथ ही, उपभोग की टोकरी (कंजम्पशन बास्केट) को भी बदला गया है, ताकि सेवाओं पर बढ़ते खर्च जैसे नए रुझान दिखाई दे सकें, जो बढ़ती आय और बदलती जीवनशैली की वजह से बढ़ रहे हैं। सीपीआई को मापने का तरीका अपडेट करना भी उतना ही ज़रूरी है, जितना यह तय करना कि उसमें क्या-क्या शामिल किया जाए।

नया संशोधित सीपीआई अब अंतरराष्ट्रीय मानकों के ज्यादा करीब है, लेकिन इसमें भारत से जुड़ी खास बातें भी बनी हुई हैं। इससे भारत की महंगाई की तुलना दूसरे देशों से करना आसान हो जाता है।

आम परिवार के लिए इसका मतलब यह है कि सरकार और नीति बनाने वाले लोग यह बेहतर समझ पाते हैं कि भारत में दामों में होने वाला बदलाव दुनिया के हालात से कैसे जुड़ा है, और साथ ही यह भी ध्यान रहता है कि रोज़मर्रा की ज़िंदगी पर क्या असर पड़ रहा है।

सीपीआई के लिए आंकड़े जुटाने का तरीका भी अब लोगों की बदलती खरीदारी और खर्च की आदतों के अनुसार बेहतर बनाया गया है। जहां पहले की तरह बाजारों से दाम इकट्ठा किए जाते रहेंगे, खासकर खाने-पीने और ज़रूरी चीज़ों के, वहीं 2024 के नए ढांचे में अब कुछ सेवाओं के ऑनलाइन दाम भी शामिल किए जा रहे हैं। जैसे मोबाइल और इंटरनेट सेवाएं, हवाई टिकट और कुछ अन्य सेवाओं के दाम अब ऑनलाइन स्रोतों से भी लिए जाएंगे।

नई सीपीआई श्रृंखला में अब कंप्यूटर की मदद से दाम इकट्ठा किए जा रहे हैं। इससे हाथ से होने वाली गलतियाँ कम हुई हैं और तुरंत जाँच भी हो जाती है। इससे दामों से जुड़े आंकड़ों की गुणवत्ता और समय पर उपलब्धता दोनों बेहतर हुई हैं। सीपीआई के आंकड़े सही और समय पर मिलना बहुत ज़रूरी है, क्योंकि इसी के आधार पर ऐसे फैसले होते हैं, जो सीधे आम आदमी की ज़िंदगी को प्रभावित करते हैं, जैसे कर्ज कितना महंगा होगा, बचत पर कितना ब्याज मिलेगा, और बढ़ती महंगाई से घर का बजट कैसे प्रभावित होगा।

नए आधार वर्ष की सीपीआई में अब कई मामलों में सरकारी स्रोतों से मिलने वाले आधिकारिक आंकड़ों का ज्यादा इस्तेमाल किया जा रहा है। जैसे रेल किराया, डाक शुल्क, ईंधन के दाम और सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत बिकने वाली चीजें। इससे इन दामों को पहले से ज्यादा सही तरीके से दर्ज किया जा रहा है और बाजार सर्वे में होने वाली गलती या पक्षपात की संभावना भी कम हो जाती है।

अब सर्वे के आंकड़े, सरकारी रिकॉर्ड और डिजिटल माध्यमों से मिलने वाले दाम, तीनों को मिलाकर सीपीआई तैयार की जा रही है। यह पुरानी व्यवस्था की तुलना में बड़ा सुधार है और इससे दामों में होने वाले बदलाव की ज्यादा भरोसेमंद तस्वीर मिलती है।

इतने बड़े स्तर पर सीपीआई के आधार वर्ष में बदलाव करना एक बहुत बड़ा संस्थागत प्रयास होता है। इसमें देश भर के फील्ड दफ्तरों, सांख्यिकी विभागों और राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञ संस्थाओं के बीच तालमेल जरूरी होता है। इस पूरी प्रक्रिया में मेथडोलॉजी की गहराई से जाँच की जाती है, अलग-अलग विकल्पों को परखा जाता है और अर्थशास्त्रियों व विषय-विशेषज्ञों से सलाह ली जाती है। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने विशेषज्ञ समूहों, अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं और अन्य संबंधित पक्षों से बातचीत की है, ताकि किए गए बदलाव साफ, समझने में आसान और वैज्ञानिक रूप से सही हों।

टोकरी, वेटेज और आंकड़ों के स्रोत बदलने के बाद भी सीपीआई का मूल उद्देश्य वही रहता है-यानी एक परिवार की नज़र से दामों में होने वाले बदलाव को दिखाना। यह निरंतरता इसलिए ज़रूरी है, ताकि हम समय के साथ महंगाई की तुलना कर सकें।

सीधे शब्दों में, सीपीआई को बेहतर बनाया जा रहा है, लेकिन उसे रोज़मर्रा की ज़िंदगी से जोड़कर ही रखा गया है, ताकि वह नीति बनाने वालों के लिए एक भरोसेमंद मार्गदर्शक बना रहे।सीपीआई हमें यह याद दिलाता है कि हर आंकड़े के पीछे करोड़ों लोगों की असली ज़िंदगी छिपी होती है। आखिरकार, आंकड़े लोगों के लिए ही होते हैं। यह चुपचाप यह दिखाता है कि दामों में बदलाव हमारी रोज़मर्रा की ज़िंदगी को कैसे प्रभावित करता है और सरकार की नीतियों को दिशा देता है।

आधार वर्ष में चल रहे संशोधन के ज़रिये सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने यह सुनिश्चित किया है कि सीपीआई सही, समय के अनुसार अपडेट और लंबे समय तक एक-जैसे तरीके से मापा गया रहे। ताकि सीपीआई सिर्फ एक संख्या न होकर, पूरे देश के लोगों की असली ज़िंदगी की सच्चाई दिखाने वाला आईना बना रहे।

(लेखक सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के सचिव हैं, यह उनके निजी विचार हैं)

वास्तु के अनुसार हो बेडरूम

बेडरूम घर का अहम हिस्सा होता है। बेडरूम का माहौल हमेशा शांत व सुकून से भरा होना बहुत जरुरी है,ताकि दिनभर की मेहनत के बाद व्यक्ति चैन से वहां आराम कर सके। बेडरूम का सही दिशा में न होना दांपत्य जीवन पर भी प्रभाव डालता है। पति-पत्नी को बहुत सी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। दोनों के बीच आपसी तालमेल की कमी, तनाव और छोटी-छोटी बात पर झगड़ा होने का एक कारण बेडरूम में वास्तु दोष का होना भी हो सकता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, बेडरूम के भी कुछ नियम है जिन्हें अपना कर आप भी अपने संबंधों को मजबूत और मधुर बना सकते है, तो चलिए आज आपको उनके बारे में बताते है। बेडरुम घर के दक्षिण-पश्चिम दिशा (नैऋत्य कोण) में होना चाहिए। बेडरूम का प्रवेश द्वार उत्तर, पूर्व या पश्चिम दिशा में होना चाहिए।

कैसा होना चाहिए पलंग?

वास्तु में कहा गया है कि पलंग लकड़ी से बना होना चाहिए। इसका आकार आयताकार या वर्गाकार होना चाहिए। पलंग को कभी भी सीधे बीम के नीचे नहीं लगाना चाहिए। कमरे में अगर शीशा (ड्रेसिंग टेबल)लगा है तो ध्यान रखें कि सोते समय उसमें आपका अक्स दिखाई न दें, यदि उसमें प्रतिबिंब दिखता है,तो रात के समय में उसे कपड़े से ढंक दें।

किस दिशा में हो पलंग?

पलंग को दक्षिण पश्चिम दिशा की दीवार की तरफ होना चाहिए। पलंग को प्रवेश द्वार के ठीक सामने न लगाएं। पलंग पर पति को दाहिनी ओर और पत्नी को बायीं ओर सोना चाहिए। इससे दोनों के बीच तालमेल बना रहेगा और घर का माहौल भी खुशनुमा रहेगा।

किस दिशा में सिर करके सोना है सही?

सोते समय सिर हमेशा पूर्व दिशा होना चाहिए। सूर्य भी पूर्व दिशा में उदय होता है। सूर्य देव की ओर सिर करने से मानसिक और स्वास्थ्य लाभ मिलता है। इसके अलावा आप दक्षिण दिशा में भी सिर करके सो सकते हैं।

किन चीजों को बेडरूम में रखने से करें परहेज?

बेडरूम में कुछ चीजें जैसे कि इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स, मोबाइल फोन, लैपटॉप आदि रखने से परहेज करना चाहिए।

बेसन और दूध से चमकाएं स्किन

सबसे पहले दूध 1 कप और बेसन 2 चम्मच लेकर एक बाउल में लें। फिर उसमें दूध मिला लें। अब मिश्रण में बेसन को मिलाएं। सारी चीजों को मिक्स करके पेस्ट चेहरे और बॉडी पर लगाएं। 10 मिनट के बाद त्वचा को साफ पानी से धो लें।

भारतीय घरों में सुंदरता को बढ़ाने के लिए बेसन का इस्तेमाल किया होता है। पुराने समय में जब घरों में साबुन या फिर बॉडी वॉश नहीं होते थे, तो लोग त्वचा को साफ करने के लिए घरेलू नुस्खे इस्तेमाल करते थे। इन्हीं घरेलू नुस्खों में बेसन शामिल है। नहाने और त्वचा को चमकाने के लिए बेसन का इस्तेमाल लाभकारी साबित हो सकता है। आज भी कई लोग महंगे बॉडीवॉश या साबुन का इस्तेमाल करने की जगह बजाय बेसन ही नहाने के लिए इस्तेमाल करते हैं। तो चलिए आज आपको इस आर्टिकल के जरिए बताते हैं कि आप बेसन का इस्तेमाल कैसे त्वचा को साफ बनाने के लिए कर सकते हैं....

सनटैनिंग होगी दूर

ज्यादा समय तक धूप में बैठे रहने के कारण त्वचा पर टैनिंग हो सकती है। धूप के कारण हाथों, पैरों, गर्दन और चेहरे की त्वचा बहुत ही जल्द प्रभावित होती है। ऐसे में त्वचा से टैनिंग दूर करने के लिए आप बेसन और दूध से नहा सकते हैं। बेसन और दूध के साथ नहाने से दाग-धब्बे दूर होंगे। टैनिंग से भी छुटकारा मिलेगा। बेसन और दूध त्वचा को टैनिंग से भी बचाता है। यदि आप सर्दियों में नहाने के लिए साबुन के जगह इस मिश्रण का इस्तेमाल करते हैं,तो त्वचा बिल्कुल साफ रहेगी और टैनिंग भी नहीं होगी।

डेड स्किन सेल्स होंगे दूर

सर्दियों में त्वचा पर डेड स्किन सेल्स जमा होने लगते हैं,जिसके कारण त्वचा पर ब्लैकहेड्स और व्हाइटहेड्स जमा हो जाते हैं। ऐसे में आप नहाने के लिए बेसन और दूध का इस्तेमाल कर सकते हैं। बेसन और दूध, डेड स्किन सेल्स को रिमूव करने में मदद करता है। आप गर्मियों में चेहरे को साफ करने के लिए बेसन और दूध का इस्तेमाल कर सकते हैं।

ड्राई स्किन से मिलेगा छुटकारा

हवाएं चलने के कारण स्किन ड्राई होने लगती है। ऐसे में अक्सर महिलाएं मॉइश्चराइजर का इस्तेमाल करती हैं। इसके अलावा नहाने के लिए महंगे साबुन या फिर बॉडीवाश का इस्तेमाल भी करते हैं। ऐसे में ड्राईनेस की दूर करने के लिए आप बेसन और दूध से बना पेस्ट इस्तेमाल कर सकते हैं। यह आपकी त्वचा को मुलायम बनाता है और त्वचा का रुखापन कम करता है। इससे आपको बेजान स्किन से भी छुटकारा मिलता है। वहीं दूध आपकी स्किन को सॉफ्ट बनाने में मदद करता है।

फोड़े-फुंसियां होगी दूर

गलत खान-पान या फिर लंबे समय तक धूप में रहने के कारण वजह से त्वचा पर फोड़े-फुंसियां और मुंहासे होने लगते हैं। ऐसे में आप इनसे बचने के लिए बेसन और दूध के मिश्रण का इस्तेमाल कर सकते हैं। बेसन सीबम के उत्पादन को कम करके मुंहासों को निकालने से रोकता है। वहीं इसका इस्तेमाल करने से त्वचा के संक्रमण से भी बचाव होता है। बेसन त्वचा के मुंहासों को भी शांत करने में मदद करता है। वहीं दूध भी फोड़े-फुंसियों को मिटाने में मदद करता है।

गले की खराश से राहत पाने के टिप्स

मौसम में तेजी से बदलाव आ रहा है। सर्दी कम हो गई है, दोपहर के वक्त तेज धूप भी निकल रही है, लेकिन फिर बीच में तेज सर्द हवाएं भी चल रही हैं। इसके चलते वायरल इंफक्शन हो सकता है और गले में खराश - खांसी जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। तो बेहतर होगा कि आप घरेलू उपायों का इस्तेमाल करें। इससे गले की खराश से आपको चुटकियों में राहत मिल जाएगी।

शहद - शहद में एंटी- माइक्रोबियल और एंटी- इन्फ्लेमेटरी गुण होते हैं,जो गले की खराश, दर्द और खांसी को दूर करने में मदद करते हैं। शहद के सेवन से इम्यूनिटा भी बूस्ट होती है, जो इंफेक्शन से लड़ने में भी मददगार है। इसके लिए आप एक चम्मच शहद को काली मिर्च पाउडर के साथ मिला लें। दिन में कम से कम 2 बार इसका सेवन करें, आपको जल्दी ही लाभ मिलेगा।

अदरक - खराश - खांसी से राहत दिलाने में अदरक बहुत असरदार है। इसमें एंटीऑक्सीडेंट और एंटी- इन्फ्लेमेटरी गुण मौजूद होते हैं। ये सर्दी- जुकाम और खांसी की समस्या से राहत दिलाने में मदद करता है। गले में खराश और दर्द से राहत पाने के लिए एक गिलास पानी गर्म कर लें। इसमें 1 इंच अदरक का टुकड़ा डालकर उबाल लें। फिर इसे छाने लें और इसमें शहद मिलाकर दिन में 2-3 बार पीएं।

रात को पैर धोने के फायदे

बाहर से घर आने के बाद लोग अक्सर मुंह और हाथ धोना तो याद रखते हैं,लेकिन बात जब पैरों की आती है तो उसे भूल जाते हैं। पैरों को ना धोने की आदत बड़ी आसानी से आपको बीमार बना सकती है। वैसे ज्यादातर लोगों को मानना है कि पैरों में जब मोजे पहन रखे हैं, तो धोने की क्या जरूरत? लेकिन पैर सबसे ज्यादा बैक्टीरिया का घर होते हैं। इन्हें धोने की लापरवाही ना केवल आपके बिस्तर को गंदा और जर्म्स से भर देती है बल्कि इसका सेहत पर भी बुरा असर पड़ता है। इसलिए एक्सपर्ट का कहना है कि रात को सोने से पहले पैरों को जरूर धोना चाहिए। इसके कई सारे फायदे होते हैं।

☛ रात को सोने से पहले पैरों को धोना बेहद जरूरी होता है। दिनभर पैर मोजे और जूते में होते है। जिससे काफी सारा पसीना होता है और जर्म्स पनपने लगते हैं। खासतौर पर जब हम अलग-अलग जगहों पर जाते हैं।

☛ पैरों में अगर सही समय पर धोया ना जाए तो इससे बैक्टीरिया पनपते हैं और अंगूठे के आसपास खुजली और नमी पैदा होने लगती है। जिससे स्किन में दिक्कत होती है और कई बार स्किन उधड़ने लगती है। जिसे एथलीट्स फुट भी कहते हैं। ऐसे में रात को सोने से पहले पैर धोना बेहद जरूरी होता है। जिससे कि इंफेक्शन ना फैले।

☛ हाइजीन मेंटेन करने के लिए पैरों को धोना जरूरी है। ये ना केवल फंगल और बैक्टीरिया इंफेक्शन बल्कि दूसरी तरीकों के इंफेक्शन के लिए भी जरूरी होता है।

☛ पैरों में अगर कट लगा हुआ है,तो फुंसी-दाना है तो इसके बैक्टीरिया शरीर के अंदर जाने का डर रहता है। जिससे बैक्टीरिया पनपने लगते हैं। ऐसे में पैरों को धोना बेहद जरूरी है।

इसके अलावा रात को पैरों को धोने से ना केवल पैरों की बदबू दूर होती है,बल्कि अच्छी नींद आने में भी मदद मिलती है। गर्म पानी में पैरों को डुबोकर धोने से मसल्स रिलैक्स होती है और ज्वाइंट्स में राहत मिलती है।

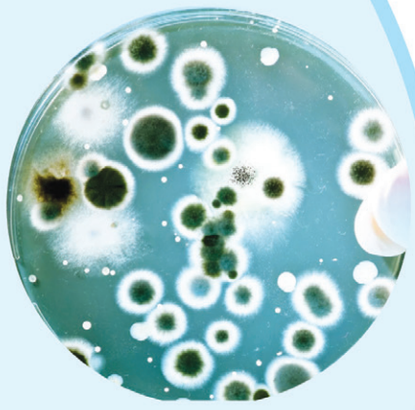

☛ डायबिटीज के मरीजों में इंफेक्शन फैलने का ज्यादा खतरा रहता है। रात को सोने से पहले उन्हें पैरों को विशेषतौर पर धोना चाहिए।

☛ पैरों की मदद से डायबिटीज के मरीजों में इंफेक्शन फैलने का खतरा रहता है। लगातार चलने से पैरों में घाव होने का डर रहता है जो कि जल्दी ठीक नहीं होता है। ऐसे में पैरों के घाव की साफ-सफाई जरूरी है। पैरों के ऊतकों के खराब होने के चांस ना हो।

बचपन से ही सिखाना शुरु कर दें ये हैबिट्स

बच्चों की सुनें बात :- जब पेरेंट्स बच्चे की बात नहीं सुनते तो वह उनसे नाराज होने लगते हैं। ऐसे में आप बच्चे जब भी आपसे बात करें या आपको कुछ बताएं तो उनकी पूरी बात ध्यान से सुनें। उनकी ओर देखकर बात करें। इससे उन्हें लगेगा कि आप उनकी बात समझते हैं इससे वह भविष्य में अपनी बातें आपके साथ शेयर करने लगेंगे।

मोटिवेट जरुर करें :- बच्चे जब भी आपकी बात मानकर कुछ अच्छी आदतें अपनाते हैं या फिर कुछ अच्छा करके दिखाते हैं,तो आप उनकी तारीफ करें। इससे उनका आत्मविश्वास बढ़ेगा।

साफ बात करें :- बच्चों के साथ आप जब भी बात करें, तो भाषा सिंपल ही रखें। उन्हें कई नामों से न बुलाएं। उनके साथ बात करते हुए अपशब्दों का इस्तेमाल भी न करें। यदि आप उनके साथ बदतमीजी से बात करेंगे,तो वह भी ऐसे ही बात करने लगेंगे। इसलिए हमेशा उनके साथ अच्छे से ही बात करें।

खुद बने रॉल मॉडल :- बच्चे हमेशा दूसरों के देखकर ही चीजें सीखते हैं। ऐसे में उनके सामने दूसरों के साथ वैसा ही व्यवहार करें जिसकी आप उनसे उम्मीद रखते हैं। जैसे अगर आप चाहते हैं कि बच्चे में शेयरिंग की आदत आए,तो आप उनके सामने खुद भी चीजें शेयर करें।

हर बात में बच्चों को न टोकें :- बच्चे कोई भी गलती करते हैं,तो उन्हें सबके सामने न टोकें। जब आप उन्हें सबके सामने टोकेंगे,तो वह बेइज्जती महसूस करेंगे। ऐसे में बच्चों को समझाने के लिए हमेशा प्यार भरे शब्दों और उदाहरणों का इस्तेमाल ही करें।

सुबह उठते ही छींके आने की वजह जानें

वैसे तो छींक आना बहुत आम बात है पर अगर ये लगातार आए तो समस्या हो सकती है। बहुत से लोग ऐसे होते हैं जिन्हें सुबह उठते ही छींके शुरु हो जाती है और फिर कुछ समय बाद खुद से बंद हो जाती है। छींक आना नाक में हुई किसी प्रतिक्रिया का रिएक्शन होता है। रात के समय जब हम सोते है तो बहुत सी एलर्जी वाली चीजें नाक में चली जाती है। हवा में रहने वाली धूल के कण, बेडशीट और कवर के फाइबर, फंगल, बैक्टीरिया, छोटे कीड़े। रात के वक्त जब ये नाक में जाते हैं,तो सूजन आ जाती है और जब हम सुबह उठते हैं तो इन सारे कणों को नाक से बाहर करने के लिए छींके आना शुरु हो जाती हैं। वहीं कई बार हम सुबह उठते ही परागकणों के संपर्क में आते हैं जिससे भी छींके आनी शुरु हो जाती है। छींक की मदद से नाक बॉडी में साफ करती है। इसके अलावा ये भी होते हैं कारण...

तापमान का बदलना

वहीं सुबह के वक्त छींक आने का कारण शरीर के तापमान का बदलना भी हो सकता है। हम कमरे में गर्म और अपने बॉडी टेम्परेचर के हिसाब से होते हैं। ऐसे में जब हम कमरे के बाहर निकलते हैं,तो शरीर को ठंडा लगता है और छींक आना शुरू हो जाती है।

कुछ लोगों को सुबह के समय चमकदार रोशनी या धूप की रोशनी के संपर्क में आने से भी छींक आनी शुरू हो जाती है।

ये घरेलू उपाय आएंगे काम

अगर आप तापमान बदलने से छींके आती हैं,तो हल्का खाना खाने की आदत डालें और डाइट में सेंधा नमक लें। 10-12 तुलसी के पत्ते में 1/4 चम्मच काली मिर्च पाउडर, थोड़ा कसा हुआ अदरक और 1/2 स्पून वाइन रूट पाउडर में 1 कप पानी डालकर उबाल लें। इसे तब तक उबालें जब तक पानी आधा न रह जाए। अब इस पानी को छान लें और सुबह- शाम इसे गुनगुना पीएं।

आंवले का सेवन भी एलर्जी में फायदेमंद है। इसके लुए 1 चम्मच और थोड़ा आंवला पाउडर मिक्स करके 2 बार सेवन करें। वहीं आप आंवला- पुदीना के पत्तों से चाय भी बनाकर पी सकते हैं। इससे आराम मिलेगा। इसके अलावा भाप लेने से भी इस समस्या से काफी हद तक राहत मिलती है।

दांत के दर्द के घरेलू नुस्खे

आजकल दांतों के कीड़ा लगना बहुत आम बात हो गई है। इसे मेडिकल भाषा में कैविटी कहते हैं। ज्यादा मीठा खाना, ठीक से दांतों की सफाई न करना इसका कारण होता है। दरअसल, खाने- पीने की चीजों से दांतों में प्लेक जम जाता है, इससे बैक्टीरिया बनता है, जो दांतों की सतह पर और मसूड़ों के साथ चिपक जाता है। बैक्टीरिया एसिड पैदा करते हैं, जो कैविटी का कारण बन सकते हैं। आमतौर पर स्ट्रेप्टोकोकस म्यूटन्स नामक बैक्टीरिया को इसका मुख्य कारण माना जाता है। दांतों में कीड़ा लगने के पहले चरण के दौरान दांतों से मिनरल्स कम होने लगते हैं, जो सफेद धब्बे के रूप में दिखाई देता है। यह तब होता है दांतों के इनेमल को नुकसान होता है। एक बार जब यह समस्या बढ़ जाती है, तो दांतों में असहनीय दर्द रहता है और कुछ खाया- पीया भी नहीं जाता है। ऐसे में मरीज को डॉक्टर के पास जाना चाहिए, वहीं आप ये असरदार घरेलू उपाय भी आजमा सकते हैं...

नमक पानी से कुल्ले

नमक का पानी एक नेचुरल एंटीसेप्टिक है जो कैविटी पैदा करने वाले बैक्टीरिया को मारने में मदद करता है। सूजन को कम करने और दर्द को कम करने के लिए दिन में कम से कम 2 बार गर्म नमक के पानी से अपना मुंह धोएं।

ऑयल पुलिंग

ऑयल पुलिंग एक आयुर्वेदिक उपचार है जिसमें 15-20 मिनट तक अपने मुंह में तेल डालना शामिल है। यह आपके मुंह से हानिकारक बैक्टीरिया और टॉक्सिन्स को निकालने में मदद करता है, ओरल हेल्थ को बढ़ावा देता है और कैविटी को रोकता है।

लौंग का तेल

लौंग का तेल एक प्राकृतिक एनाल्जेसिक है जो कैविटी से जुड़े दर्द को कम करने में मददगार है। रुई के गोले पर थोड़ी मात्रा में लौंग का तेल डालें और इसे सीधे प्रभावित दांत पर लगाएं। दर्द और सूजन को कम करने के लिए इस प्रक्रिया को दिन में कई बार दोहराएं।

ग्रीन टी

ये एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होती है जो ओरल हेल्थ को बढ़ावा देने और कैविटी को रोकने में मदद कर सकती है। सूजन को कम करने और कैविटीज को रोकने के लिए हर दिन एक कप ग्रीन टी पिएं।

हल्दी

हल्दी एक प्राकृतिक एंटी- इंफ्लेमेटरी एजेंट है जो सूजन को कम करने और कैविटी से जुड़े दर्द को कम करने में मददगार है। इसका पेस्ट बनाने के लिए 1 चम्मच हल्दी पाउडर में आधा चम्मच नमक और सरसों का तेल मिलाएं। इस पेस्ट को प्रभावित दांत पर लगाएं दें।

खाली पेट लहसुन खाना फायदेमंद

सुबह खाली पेट अक्सर लहसुन खाने की सलाह दी जाती है। खासकर गैस और कुछ छोटी बीमारियों में अक्सर लहसुन खाने की सलाह दी जाती है। आज हम इसके पीछे के कारण के बारे में बताएंगे। सुबह खाली पेट लहसुन खाने के फायदे होते हैं। आज हम आपको बताएंगे लहसुन खाने का सही तरीका-

क्यों दी जाती है खाली पेट लहसुन खाने की सलाह?

खाली पेट लहसुन खाने से हड्डियों और पेट से जुड़ी समस्याएं दूर हो जाती है। खाली पेट कच्चा लहसुन खाने से यौगिक एलिसिन, कोलेस्ट्रॉल कम करने और खून को पतला करने वाली गुण पाया जाता है। खाली पेट खाना काफी ज्यादा फायदेमंद होता है। खाली पेट लहसुन खाने से कई बीमारियों का बचाव होता है। लहसुन कई सारी एंटीबायोटिक से भरपूर होता है। अगर आप खाली पेट लहसुन खाते हैं,तो यह शरीर के लिए अधिक प्रभावी होता है। बैक्टीरिया जैसे ही एक्टिव होता है,तो लहसुन के इस्तेमाल से वह कंट्रोल में मर जाते हैं।

सुबह खाली पेट लहसुन खाने के फायदे

सुबह खाली पेट लहसुन खाने से पाचन तंत्र को काफी ज्यादा फायदा मिलता है। इससे पेट में पाई जाने वाली खतरनाक बैक्टीरिया मर जाती है।

इसमें पाई जाने वाली -एंटी इंफ्लेमेटरी गुण जोड़ों के दर्द को कम कर देते हैं। लहसुन डिटॉक्सीफायर होता है। लहसुन में एंटी इंफ्लेमेटरी गुण के कारण जोड़ों में दर्द अक्सर रहता है। लहसुन खाने से यह समस्या बढ़ सकती है। लहसुन में डिटॉक्सीफायर होता है जो कि शरीर को डिटॉक्स करता है और कई बीमारियों से बचाव करने में मदद करता है।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत 200 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे, मंडी प्रांगण में गूंजी शहनाई

सारंगढ़ बिलाईगढ़ -टारजन महेश (समय दर्शन) सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिला मुख्यालय स्थित कृषि उपज मंडी प्रांगण आज एक भव्य और ऐतिहासिक विवाह समारोह का साक्षी बना। मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के अंतर्गत आयोजित इस विशाल कार्यक्रम में 200 जोड़ों ने एक साथ पवित्र अग्नि के फेरे लेकर अपने नए दाम्पत्य जीवन की शुरुआत की।

हिन्दू रीति-रिवाज से संपन्न हुआ विवाह- आज सुबह से ही मंडी प्रांगण में उत्सव का माहौल था। शासन के निर्देशानुसार, सभी विवाह पूरी तरह से हिन्दू रीति-रिवाज और वैदिक मंत्रोचार के साथ संपन्न कराए गए। गायत्री परिवार और स्थानीय पंडितों की टोली ने सामूहिक रूप से विवाह की रस्में पूरी करवाईं। ढोल-नगाड़ों और शहनाई की गूंज के बीच वर-वधू ने एक-दूसरे को वरमाला पहनाई, जिसके बाद पाणिग्रहण संस्कार संपन्न हुआ।

प्रशासनिक अमला और जनप्रतिनिधि रहे मौजूद- समारोह में जिले के वरिष्ठ अधिकारी,

स्थानीय जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में वर-वधू पक्ष के रिश्तेदार उपस्थित रहे। अतिथियों ने नवविवाहित जोड़ों पर पुष्प वर्षा कर उन्हें सुखी जीवन का आशीर्वाद दिया।

उपहार और सुसज्जित आयोजन- राज्य शासन की ओर से प्रत्येक जोड़े को गृहस्थी शुरू करने के लिए आवश्यक सामग्री और सहायता राशि भी प्रदान की गई। आयोजन स्थल पर प्रशासन द्वारा पुख्ता इंतजाम किए गए थेः

भोजन व्यवस्थाः वर-वधू और उनके साथ आए बारातियों के लिए भव्य प्रीतिभोज का आयोजन।

सुरक्षाः भीड़ को देखते हुए पुलिस बल और स्वयंसेवकों की तैनात रहे

चेहरों पर दिखी मुस्कान- विवाह बंधन में बंधे जोड़ों और उनके माता-पिता के चेहरों पर एक विशेष संतोष और खुशी देखी गई। लाभार्थियों ने इस योजना के लिए मुख्यमंत्री और जिला प्रशासन का आभार व्यक्त किया, जिससे उन पर से आर्थिक बोझ कम हुआ और उनकी बेटियों की विदाई सम्मानपूर्वक संपन्न हुई।

संक्षिप्त समाचार

राडा ऑटो एक्सपो में नई येज़दी रोडस्टर के अनावरण केलिए रायपुर के सांसद जावा येज़दी मोटरसाइकिल्स के मंचपर पहुंचे

रायपुरः रायपुर में आयोजित राडा ऑटो एक्सपो के 9वेंसंस्करण में जावा येज़दी मोटरसाइकिल्स ने आवासन और शहरी कार्यमंत्रालय के राज्य मंत्री श्री तोखन साहू और रायपुर से लोकसभा सदस्य श्रीबृजमोहन अग्रवाल का स्वागत किया। दोनों विशिष्ट अतिथियों ने संयुक्त रूपसे कंपनी की बेस्टसेलर मोटरसाइकिल येज़दी रोडस्टर का मंच से अनावरणकिया। रायपुर ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन द्वारा आयोजित यह ऑटोएक्सपो मध्य भारत की सबसे बड़ी ऑटोमोबाइल प्रदर्शनियों में से एक है, जिसमेंयात्री और वाणिज्यिक वाहन मूल उपकरण निर्माताओं और स्थानीयऑटोमोबाइल डीलरों के 300 से अधिक स्टॉल शामिल हैं। आयोजन स्थल परटेस्ट राइड और एक्सपीरियंस ज़ोन भी बनाए गए हैं, जिससे आगंतुक खरीद सेपहले अपने सभी सवालों के जवाब प्राप्त कर सकें और सोच-समझकर निर्णय लेसकें। राडा ऑटो एक्सपो में जावा येज़दी मोटरसाइकिल्स की मौजूदगी उसकीब्लॉकबस्टर येज़दी रोडस्टर को प्रदर्शित करती है, जिसे प्रतिष्ठित 'बेस्ट350सीसी मोटरसाइकिल' पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है। यह ऑटोएक्सपो मध्य भारत के मोटरसाइकिल प्रेमियों से जुड़ने का एक प्रभावी मंच प्रदानकरता है, खासकर उन युवाओं के लिए जो एक प्रामाणिक, परफॉर्मेंस-आधारितनियो-क्लासिक मोटरसाइकिल खरीदने की इच्छा रखते हैं। यह आयोजन भारतके उभरते ऑटोमोटिव हब्स में अधिक से अधिक राइडर्स तक पहुंचने और उन्हेंपरफॉर्मेंस क्लासिक मोटरसाइक्लिंग की दुनिया से जोड़ने की कंपनी कीप्रतिबद्धता को और मजबूत करता है। साथ ही, जावा येज़दी मोटरसाइकिल्सदेशभर में अपने डीलरशिप नेटवर्क का विस्तार भी लगातार कर रही है।

होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया ने राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के अवसर पर देशभर में जागरूकता अभियानों की शुरुआत की

गुरुग्रामः होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया (।म्स्ड्ड) ने देशभर में रोड सेफ्टी को लेकर कई जागरूकता-केंद्रित पहलें आयोजित कीं। इन गतिविधियों के लिए कंपनी ने अपने डीलर नेटवर्क और स्थानीय स्टेकहोल्डर्स के साथ मिलकर सुरक्षित सड़क व्यवहार और ट्रैफिक नियमों की बेहतर समझ को बढ़ावा दिया।पूरे महीने के दौरान, देश के विभिन्न शहरों में सड़क सुरक्षा से जुड़ी जागरूकता गतिविधियां आयोजित की गईं, जिनमें 30,000 से अधिक लोगों की भागीदारी रही। राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के तहत अपनी पहलों के हिस्से के रूप में, एचएमएसआईने जयपुर आइडियल रोड सेफ्टी प्रोजेक्ट भी लॉन्च किया, जो सुरक्षित और जिम्मेदार मोबिलिटी की दिशा में कंपनी के फोकस को दर्शाता है। यह प्रोजेक्ट एक समग्र अप्रोच अपनाता है, जिसमें एजुकेशन, एनफोर्समेंट, इंजीनियरिंग और इमरजेंसी रिस्पॉन्स को स्कूलों, ट्रैफिक पुलिस, स्थानीय प्रशासन और नागरिकों के सहयोग से रोज़मर्रा के सामुदायिक जीवन में जोड़ा गया है।इस पहल का फोकस जागरूकता और ट्रेनिंग, बेहतर सड़क इंफ्रास्ट्रक्चर, चिन्हित ज़ोन्स में सख्त अनुपालन और क्रिटिकल लोकेशंस के विश्लेषण पर है। फर्स्ट रिस्पॉन्डर्स की बेहतर तैयारी के जरिए यह पहल दुर्घटनाओं को कम करने और जीवन बचाने का लक्ष्य रखती है, साथ ही एक अधिक जिम्मेदार, तैयार और सेफ्टी-कोंशियस समुदाय का निर्माण करती है, जो देशभर के शहरों के लिए एक मॉडल बन सकता है। रोड सेफ्टी रैली, समिट, हेलमेट वितरण, मासिक सड़क सुरक्षा अभियान और अन्य एंगेजमेंट गतिविधियों सहित सभी जागरूकता कार्यक्रमों का फोकस ट्रैफिक नियमों, राइडर की जिम्मेदारी और प्रोटेक्टिव राइडिंग प्रैक्टिसेज़ की अहमियत को लेकर प्रैक्टिकल लर्निंग पर रहा।इन पहलों का उद्देश्य स्थानीय स्तर पर रोड सेफ्टी संदेश को आगे बढ़ाना था, ताकि समुदाय की व्यापक भागीदारी सुनिश्चित की जा सके। इस दौरान राइडिंग बिहेवियर और ट्रैफिक नियमों की समझ को लेकर चर्चा की गई, जिसमें ट्रैफिक रेगुलेशंस के सख्त पालन पर विशेष जोर दिया गया। एचएमएसआईने महिला राइडर्स के बीच आत्मविश्वास और तैयारियों को बढ़ावा देने के लिए महिला रोड सेफ्टी रैली भी आयोजित की। इस दौरान उन्हें हेलमेट भी वितरित किए गए, ताकि राइडिंग के दौरान व्यक्तिगत सुरक्षा के महत्व को रेखांकित किया जा सके।राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह, एचएमएसआईकी निरंतर चलने वाली रोड सेफ्टी पहलों का एक अहम हिस्सा है। इसके अलावा, कंपनी हर महीने नियमित रूप से जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करती है और ट्रैफिक ट्रेनिंग पार्क्स (ञ्ञक्क्ष) व सेफ्टी ड्राइविंग एजुकेशन सेंटर्स (स्ष्ठश्वष्ट्ह्य) में लगातार गतिविधियों के जरिए यह सुनिश्चित करती है कि सड़क सुरक्षा शिक्षा एक बार की पहल न होकर निरंतर चलने वाला प्रयास बनी रहे।

सारँगढ़ सेजेस पीएम श्री स्कूल के प्राचार्य एलपी पटेल हटाए गए, शिकायत के बाद कलेक्टर की बड़ी कार्रवाई

सारंगढ़-बिलाइगढ़ - टारजन महेश (समय दर्शन) जिला मुख्यालय स्थित सेजेस पीएम श्री स्कूल सारंगढ़ के प्राचार्य एल.पी. पटेल के विरुद्ध शासन ने कड़ा रुख अपनाया है। छात्रों और अभिभावकों द्वारा की गई गंभीर शिकायतों के बाद, कलेक्टर ने तत्काल प्रभाव से उन्हें पद से हटाते हुए अन्यत्र संलग्न कर दिया है।

क्या है पूरा मामला?

प्राप्त जानकारी के अनुसार, सेजेस पीएम श्री स्कूल सारंगढ़ में अध्ययनरत विद्यार्थियों और उनके पालकों ने कक्षा शिक्षक एवं स्कूल प्रबंधन के विरुद्ध जिला शिक्षा अधिकारी (ष्ठश्वह्) से शिकायत की थी। इस शिकायत की गंभीरता को देखते हुए विभाग द्वारा जांच कराई गई। जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय द्वारा प्रस्तुत जांच प्रतिवेदन (दिनांक 07.02.2026) में शिकायतों की पुष्टि होने के बाद यह प्रशासनिक कार्रवाई की गई है।

कलेक्टर का आदेशः प्रशासनिक दृष्टिकोण से फेरबदल

कलेक्टर द्वारा जारी आदेश (क्रमांक 522/स्टेनो/2025-26) में स्पष्ट किया गया है कि विद्यालय में शिक्षा की गुणवत्ता और शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए यह कदम उठाना अनिवार्य था। आदेश के मुख्य बिंदु निम्नलिखित हैंः

अस्थाई संलग्नीकरणः प्राचार्य एल.पी. पटेल को वर्तमान शैक्षणिक सत्र तक के लिए अस्थाई रूप से शासकीय हाई स्कूल दानसरा (वि.ख. सारंगढ़) में संलग्न किया गया है।

नया प्रभारः संस्था के सुचारू संचालन के लिए विद्यालय का समस्त वित्तीय एवं प्रशासनिक प्रभार श्रीमती अभय बैरागी (वरिष्ठ व्याख्याता) को सौंपा गया है।

तत्काल प्रभावः यह आदेश आज 10 फरवरी 2026 से ही प्रभावी हो गया है।

पालकों में संतोष, शिक्षा व्यवस्था सुधारने पर जोर

लंबे समय से चल रहे विवाद और शिकायतों के बाद हुई इस कार्रवाई से पालकों में संतोष देखा जा रहा है। जिला प्रशासन ने संकेत दिया है कि शिक्षण संस्थानों में अनुशासनहीनता और शिक्षा की गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। इस आदेश की प्रतिलिपि सचिव (स्कूल शिक्षा विभाग), संचालक (लोक शिक्षण) और संयुक्त संचालक सहित सभी संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई हेतु भेज दी गई है

नेशनल लोक अदालत को सफल बनाने हेतु आयोजित हुई बैठक

मुंगेली(समय दर्शन) राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली और छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण बिलासपुर के संयुक्त तत्वाधान में आगामी 14 मार्च 2026 को मुंगेली जिले में आयोजित होने वाली लोक अदालत को सफ्ल बनाने के उद्देश्य से एक आवश्यक बैठक का आयोजन जिला न्यायालय परिसर, मुंगेली में किया गया। इस बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में श्रीमति गिरिजा देवी मेरावी, अध्यक्ष/प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश मुंगेली, राकेश कुमार सोम, प्रथम जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश, श्रीमति जसविंदर कौर अजमानी मलिक, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट मुंगेली, श्रीमति कंचन लता आचला, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मुंगेली, अतिरिक्त कलेक्टर श्रीमति निष्ठा पाण्डेय, पुलिस विभाग से नवनीत कौर छाबड़ा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, महेश मिश्रा, एस.आई. और अन्य विभागीय अधिकारियों ने भाग लिया।

बैठक के दौरान श्रीमति गिरिजा देवी मेरावी ने लोक अदालत के आयोजन की सफ्लता के लिए प्रशासन से अधिक से अधिक सहयोग एवं तालमेल की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने विशेष रूप से राजस्व मामलों के समाधान के लिए रणनीति तैयार करने और लोक अदालत की सभी आवश्यक व्यवस्थाओं को सुचारू रूप से लागू करने पर चर्चा की। साथ ही, लोक अदालत के प्रचार-प्रसार के लिए विभिन्न मीडिया माध्यमों का उपयोग करने के उपायों पर भी विचार विमर्श हुआ। बैठक में यह भी तय किया गया कि सभी संबंधित विभागों के अधिकारी आपस में समन्वय स्थापित कर, जल्द से जल्द मामलों के समाधान के लिए तत्पर रहें। लोक अदालत के आयोजन के माध्यम से लोगों को जल्दी और सस्ते न्याय की प्राप्ति हो सके, इसके लिए विस्तृत योजना बनाई गई। यह बैठक मुंगेली जिले में लोक अदालत की सफ्लता को सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुई और सभी अधिकारियों ने अपनी-अपनी जिम्मेदारियों को तत्परता से निभाने का संकल्प लिया।अगले महीने आयोजित होने वाली इस लोक अदालत का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण और शहरी जनता के बीच विधिक सेवाओं की उपलब्धता को बढ़ाना और विवादों का समाधान करना है, ताकि न्याय की प्रक्रिया अधिक सुलभ और तेज़ हो सके।

जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी अहिवारा के नए पदाधिकारियों का गठन हुआ

अहिवारा (समय दर्शन)। दिनांक 08 फरवरी 2026, रविवार को वार्ड क्रमांक 02, अहिवारा में एक भव्य सदस्यता अभियान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ क्रांति सेना एवं जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी के नए पदाधिकारियों का गठन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक, युवा साथी एवं संगठन के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

इस विशेष आयोजन में जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी के प्रदेश महासचिव श्री भूषण साहू जी कोषाध्यक्ष धर्मेंद्र चंद्रहास जी, जिला उपाध?यक्ष दुरूग ग्रामीण कौशल साहू जी और छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना जिला उपाध्यक्ष भिलाई धर्मेंद्र साहू जी की गरिमामयी उपस्थिति रही। उन्होंने उपस्थित जनसमूह को छत्तीसगढ़ियावाद, छत्तीसगढ़ की अस्मिता, अधिकार और स्वाभिमान के विषय में विस्तार से जानकारी दी तथा युवाओं से संगठित होकर सामाजिक व राजनीतिक जागरूकता बढ़ाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम के दौरान जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी से निम्न पदाधिकारियों की घोषणा की गई—

नगर अध्यक्षः मुकेश साहू

उपाध्यक्षः कमलेश मार्कण्डेय और बसंत साहू

महिला उपाध्यक्ष :-दामिनी ठाकुर

संगठन मंत्रीः आज़ाद शिवारे

सचिवः-भीखम साहू, राहुल जोशी

सह सचिवः-छोटू यादव

वहीं छत्तीसगढ़ क्रांति सेना से घोषित पदाधिकारी इस प्रकार हैं—

नगर अध्यक्षः राहुल साहू

उपाध्यक्षः कैलाश साहू

नगर सचिवः कन्हैया साहू

सह सचिवः पीतांबर यादव

संगठन मंत्रीः चंद्रकांत डहरिया

संयोजकः संतोष साहू

सह संयोजकः पंकज कुमार

सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को संगठन की ओर से पदभार सौंपकर शुभकामनाएं दी गईं। कार्यक्रम का उद्देश्य छत्तीसगढ़िया समाज को एकजुट कर जनहित, अधिकार और स्वाभिमान की लड़ाई को मजबूती देना रहा।

छत्तीसगढ़िया एकता जिंदाबाद

हक अधिकार, सम्मान और पहचान की लड़ाई जारी रहेगी

हिट एण्ड रन मुआवजा योजना 2022 के संबंध में बैठक का आयोजन

मुंगेली(समय दर्शन) सुप्रीम कोर्ट के रिट पिटीशन एस. राजसीकरण विरुद्ध यूनियन ऑफइंडिया में पारित आदेश 12 जनवरी 2024 के पालन में और सालसा के निर्देशानुसार, जिला न्यायालय परिसर मुंगेली में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य हिट एण्ड रन मामलों में अज्ञात वाहनों द्वारा सड़क दुर्घटनाओं से हुई मौतों और घायलों के लिए मुआवजा प्रक्रिया को सुनिश्चित करना था।

बैठक में प्रमुख अधिकारियों ने मुआवजा निर्धारण और प्रक्रिया पर गहन चर्चा की। बैठक में श्रीमति गिरिजा देवी मेरावी, अध्यक्ष / प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, राकेश कुमार सोम, प्रथम जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश, श्रीमति जसविंदर कौर अजमानी मलिक, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट मुंगेली, श्रीमति कंचन लता आचला, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मुंगेली, दावाजॉच अधिकारी श्रीमति निष्ठा पाण्डेय, अतिरिक्त कलेक्टर जिला मुंगेली और पुलिस विभाग से नवनीत कौर छाबड़ा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उपस्थित थे।

बैठक में, हिट एण्ड रन मामलों में क्षतिपूर्ति आवेदन प्रक्रिया, दुर्घटना के परिणामस्वरूप हुई मृत्यु या गंभीर चोटों के लिए मुआवजा निर्धारण, और पुलिस व परिवहन विभाग से संबंधित दस्तावेज तैयार करने पर चर्चा की गई। इसके साथ ही एसडीएम के समक्ष इन दस्तावेजों को प्रस्तुत करने के लिए स्पष्ट निर्देश दिए गए।

यह बैठक हिट एण्ड रन मामलों में पीड़ितों को मुआवजा दिलाने की प्रक्रिया को सरल और प्रभावी बनाने के उद्देश्य से आयोजित की गई थी, ताकि दुर्घटनाओं के शिकार व्यक्तियों और उनके परिवारों को शीघ्र सहायता मिल सके।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजनाः परिणय सूत्र में बंधे 94 जोड़े

आदर्श कृषि उपज मंडी मुंगेली में हुआ कार्यक्रम का आयोजन, नवदम्पत्तियों को चेक व उपहार सामग्री प्रदान कर की गई सुखमय दाम्पत्य जीवन की कामना

मुंगेली(समय दर्शन) मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत जिला मुख्यालय स्थित आदर्श कृषि उपज मंडी परिसर में परिवारजनों एवं गणमान्य अतिथियों की मौजूदगी में आज 94 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे। कार्यक्रम का शुभारंभ विधिवत रूप से दीप प्रज्वलन कर माँ सरस्वती के छायाचित्र पर पुष्प अर्पण के साथ किया गया। इसके पश्चात धार्मिक परंपराओं के अनुसार विवाह संस्कार संपन्न कराए गए। सामूहिक विवाह कार्यक्रम के माध्यम से निर्धन एवं जरूरतमंद परिवारों की बेटियों का विवाह गरिमामय एवं सम्मानपूर्वक संपन्न कराया गया। इस दौरान उपस्थित अतिथियों को पगड़ी पहनाकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने वर्चुअल माध्यम से संबोधित किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना गरीब परिवार के लिए एक सौगात है। इस योजना से जहां गरीब परिवारों को अपने बेटियों के विवाह की चिंता से मुक्ति मिली है, वहीं इस योजना के क्रियान्वयन से विवाह में होने वाले फिज़ूल खर्ची पर भी लगाम लगा है। उन्होंने दम्पत्तियों को नवदात्पत्य जीवन के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

उपज मंडी परिसर में आयोजित कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीकांत पाण्डेय ने सामूहिक विवाह कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि पहले शादी में होने वाले खर्च के लिए गरीब परिवारों को अपना घर, खेत, जमीन सब गिरवी रखना पड़ता था, लेकिन शासन की मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत एक ही मंच पर अनेक गरीब वर-वधुओं की शादी हो रही है। इससे समाज में एकता स्थापित हो रही है, जिससे समाज में एक सकारात्मक संदेश जाता है। उन्होंने कार्यक्रम के बेहतर आयोजन के लिए जिला प्रशासन सहित विभाग की सराहना की।

कलेक्टर ने कहा कि बेटा-बेटी में कोई भेदभाव नहीं होना चाहिए, दोनों समान हैं। विवाह दो परिवारों का पवित्र मिलन होता है। उन्होंने नवविवाहित दंपत्तियों को शुभकामनाएं देते हुए महतारी वंदन योजना, स्वरोजगार हेतु ऋण सहित शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया। पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल ने नवदम्पत्तियों को सुखमय एवं खुशहाल जीवन जाते हुए आगे बढ़ने प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम को अन्य अतिथियों ने भी संबोधित किया और नवदम्पत्तियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

कार्यक्रम में नवदम्पत्तियों को चेक व उपहार सामग्री प्रदान कर उनके सुखमय दाम्पत्य जीवन की कामना की गई। इस दौरान अतिरिक्त कलेक्टर श्रीमती निष्ठा पाण्डेय तिवारी, जिला पंचायत सीईओ मुंगेली, नगर पालिका मुंगेली अध्यक्ष रोहित शुक्ला, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती शांति देवचरण भास्कर, उपाध्यक्ष जयप्रकाश मिश्रा, जनपद पंचायत मुंगेली अध्यक्ष रामकमल सिंह परिहार, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती अम्बालिका साहू सहित अन्य गणमान्य नागरिक, जनप्रतिनिधिगण और वर-वधु के परिजन मौजूद रहे।

खबर-खास

150 नग देशी मदिरा मशाला शराब के साथ आरोपी को किया गिरफ्तार

गरियाबंद (विश्व परिवार)। गरियाबंद पुलिस का नशे के विरूद्ध 'नया सवेरा' अभियान अंतर्गत वरिष्ठ अधिकारियों के द्वारा समस्त थाना प्रभारियों को अपने-अपने थाना क्षेत्रातर्गत अवैध शराब, गांजा एवं नशीली पदार्थों के परिवहन एवं बिक्री करने वालों पर कड़े कार्यवाही एवं प्रतिबंध लगवाने के संबंध में निर्देश दिये गये थे।जिसके परिपालन में समस्त थाना प्रभारी अपने अपने थाना क्षेत्रों में मुखबीर एवं पेट्रोलिंग को सक्रिय किये है।जो 9 फरवरी को थाना प्रभारी फिंगेश्वर मुखबीर से सूचना मिला की एक व्यक्ति अपने बिना नम्बर प्लेट वाली स्प्लेण्डर मोटर सायकल मे अवैध रूप से शराब बिक्री हेतु परिवहन कर रहा है।इस सूचना पर हमराह स्टाफ एवं गवाहन के घटना स्थल पहुंचकर मुखबीर के बताये स्थान पर रेड़ कार्यवाही करने पर आरोपी लोमेश ध्रुव पिता रामजी ध्रुव उम्र 30 वर्ष निवासी फिंगेश्वर,थाना फिंगेश्वर के पास से एक हरा रंग के बेग में 150 नग पौवा देशी मदिरा मशाला शराब प्रत्येक में 180-180 एमएल शराब भरा हुआ कुल 27 लीटर कीमती 15000/- रूपये एवं एक मोटर सायकल बिना नम्बर प्लेट स्प्लेण्डर कीमती 30 हजार रूपये मिलने पर आरोपी के कब्जे से गवाहों के समक्ष जप्त किया गया।आरोपी का उक्त् कृत्य अपराध धारा 34(2) आबकारी एक्ट का पाये जाने से थाना फिंगेश्वर में अपराध क्रमांक 33/2026 धारा 34(2) आबकारी एक्ट कायम कर विवेचना में लिया गया। प्रकरण में आरोपी लोमेश ध्रुव के विरूद्ध पर्याप्त साक्ष्य पाये जाने से विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया गया।

ताँवरबाहरा में 11 से 15 फरवरी तक श्रीरामचरित मानस महायज्ञ एवं श्रीराम कथा का भव्य आयोजन

गरियाबंद (विश्व परिवार)। जिला मुख्यालय से लगे ग्राम ताँवरबाहरा में धर्म,आस्था और भक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिलेगा। ग्रामवासियों के संयुक्त तत्वावधान में पांच दिवसीय श्रीरामचरित मानस महायज्ञ एवं श्रीराम कथा का भव्य आयोजन 11 से 15 फरवरी तक किया जा रहा है।इस धार्मिक आयोजन को लेकर पूरे गांव में उत्साह और श्रद्धा का वातावरण व्याप्त है। यह कार्यक्रम ब्रह्मलीन संत सिया भुनेश्वरी शरण व्यास जी के कृपा पात्र शिष्य यज्ञकर्ता महंत श्री गोवर्धन शरण व्यास जी महाराज जी,सिरकट्टी आश्रम कुटेना पाण्डुका के सानिध्य में संपन्न होगा । ग्राम विकास समिति कोषाध्यक्ष केशव साहू ने जानकारी देते हुए बताया कि आयोजन की तैयारियां अंतिम चरण में हैं।यज्ञ मंडप,कथा पंडाल, श्रद्धालुओं के बैठने की व्यवस्था,स्वच्छता एवं सुरक्षा सहित सभी आवश्यक व्यवस्थाएं ग्रामवासियों के सहयोग से की जा रही हैं। कार्यक्रम में प्रतिदिन विधिवत पूजन-अर्चन, यज्ञ अनुष्ठान एवं श्रीराम कथा का वाचन होगा।आयोजन के दौरान दूरङ्कदराज से आने वाले श्रद्धालु श्रीरामचरित मानस के भावपूर्ण प्रसंगों का श्रवण कर धर्मलाभ प्राप्त करेंगे।कथा के माध्यम से भगवान श्रीराम के आदर्श जीवन,मर्यादा,सत्य,प्रेम और भाईचारे के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा।

न्यायालय तहसीलदार पिपरिया तहसील पिपरिया जिला-कबीरधाम

ई-कोर्ट प्रकरण कमांक
202512081800034/अ-6/वर्ष 2025-26
ग्राम दशरंगपुर
// ईश्तहार//

एतद् द्वारा सर्व साधारण को समस्त ग्रामवासी दशरंगपुर सूचित किया जाता है कि आवेदक देवयानी सिंह पिता शिवनारायण सिंह, निवास का पता ग्राम दशरंगपुर, तहसील: पिपरिया, जिला कबीरधाम, छत्तीसगढ़ द्वारा अपने पिता शिवनारायण सिंह पिता उदयभानसिंह के नाम हकस्वामित्वं आधिपत्य की कृषि भूमि ग्राम दशरंगपुर खसरा क्रमांक 492/3, 499, 507/1 शामिल 507/2, 507/3, 521, 689, 1132/3, 1217/2, 1281/1, 1296/1, 1296/2, 1304, 1316, 1319, 1321, 1348, 1358, 1359, 1474, 1509/1, 1509/3, 1513, 1543/1, 1543/6, 1543/81544/2, 1632/1, 1632/2, 1633, 1702, 1764, 1800 कुल खसरा 31 कुल रकबा 10.9390 हेक्टेयर है। जिनकी मृत्यु दिनांक 16.10.2025 को होने तथा वसीयतनामा वसीय अनुसार फौति नामातरण हेतु आवेदक द्वारा उक्त वर्णित कृषि भूमि को अपने नाम पर दर्ज कराये जाने का ऑवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अत: उपर्युक्तानुसार वर्णित पर जिस किसी व्यक्ति / संस्था को कोई दावा-आपत्ति हो तो अधोहस्ताक्षकर्ता न्यायालय में प्रकरण की सुनवाई तिथि 06/03/2026 तक स्वत: अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात् प्रस्तुत: दावा / आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

जारी तिथि: 10.02.2026

मुहर

न्यायालय तहसीलदार पिपरिया
जिला-कबीरधाम (छ.ग.)

गुरुकुल में दादा-दादी एवं नाना-नानी दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया

कवर्धा (समय दर्शन)। जनपद में शिक्षा एवं संस्कार को ध्येय मंत्र के रूप में अंगीकार करने वाली शिक्षण संस्था गुरुकुल पब्लिक स्कूल कवर्धा हमेशा अपने सामाजिक सरोकारों एवं भारतीय संस्कृति को ध्यान में रखते हुए विविध कार्यक्रमों का आयोजन करता है, जिससे विद्यालय के बच्चे उनसे प्रेरित हो सकें।

विद्यालय के प्री प्रायमरी भवन में दादा दादी एवं नाना-नानी दिवस का गरिमामय आयोजन किया गया, जिसमें नर्सरी, केजी वन व केजी टू के नन्हे-मुन्ने बच्चों के दादा-दादी व नाना नानी सम्मिलित हुए। शाला के प्राचार्य मनोज कुमार राय के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम के सम्माननीय अतिथि विद्यालय प्रबंधन समिति के वरिष्ठ पदाधिकारीगण थे। सर्वप्रथम शाला प्रबंधन समिति के वरिष्ठ पदाधिकारी गण एवं वरिष्व पालकों के द्वारा माँ सरस्वती के तैलचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन- वंदन किया गया। प्राचार्य ने सभी का आत्मीय स्वागत किया। उन्होंने कहा कि दादा दादी और नाना नानी से नन्हे-मुन्ने बच्चे गहराई से जुड़े होते हैं। तत्पश्चात नर्सरी से केजी टू के नन्हें मुन्ने बच्चों के द्वारा विविध मनोरंजक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए।

मीडिया प्रभारी पीजीटी हिंदी डॉक्टर विजय कुमार शाही ने बतलाया कि इस कार्यक्रम में केजी टू के बच्चों द्वारा नानी तेरी मोरनी को मोर ले गया गीत पर शानदार प्रस्तुति दी, जिसे लोगों ने मुक्त कंठ से सराहा। इस अवसर पर ग्रैंडपेरेंट्स के लिए विविध मनोरंजक खेलों का भी आयोजन किया गया। जिसका सभी वरिष्ठ पालकों ने आनंद लिया। इस अवसर पर निदेशक महावीर जैन ने नन्हें मुन्ने बच्चों को प्रेरणा देने में ग्रेडपेरेंट्स की भूमिका को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि बुजुर्ग पालक ही बच्चों के सच्चे मार्गदर्शक होते हैं।

इस अवसर पर कुछ वरिष्ठ पालकों ने भी अपने उद्गार व्यक्त करते हुए कहा कि गुरुकुल विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए सदैव प्रयत्नशील है। गुरुकुल परिवार ने जिस तरह से वरिष्ठ पालकों के साथ संवाद किया वह अपने आप में सुखद अनुभव है। मंच संचालन केजी टू के विद्यार्थियों द्वारा किया गया तथा आभार प्रदर्शन अकादमिक इंचार्ज नम्रता तिवारी ने किया।

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा व भावना बोहरा ने 272 जोड़ों को सुखी दांपत्य जीवन का दिया आशीर्वाद

मुख्यमंत्री कन्या विवाह में सामाजिक रीति रिवाजों के साथ अटूट बंधन में बंधे दुल्हा-दुल्हन।

कवर्धा (समय दर्श न)। मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के अंतर्गत 10 फरवरी मंगलवार को सामाजिक रीति-रिवाजों और अभूतपूर्व उत्साह के साथ जिले के 272 जोड़ों ने एक साथ सात फेरे लेकर विवाह के अटूट बंधन में बंध गए। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय वर्चुअल माध्यम से जुड़े और उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा व पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने सभी जोड़ों को सुखी और सफल दांपत्य जीवन का आशीर्वाद दिया।

सरदार पटेल मैदान में आयोजित इस समारोह में पंडित द्वारा वर-वधुओं को सात वचनों का संकल्प दिलाया गया। सामाजिक रीति रिवाजों के साथ विवाह हुआ। उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने मंच पर पहुंचकर शासन की ओर से प्रत्येक जोड़े को 35-35 हजार रुपए की सहायता राशि का चेक और सामग्री भेंट किया। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि आज का दिन छत्तीसगढ़ के लिए ऐतिहासिक है, क्योंकि मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के माध्यम से हजारों जोड़े एक साथ विवाह के पवित्र बंधन में बंधकर अपने नए जीवन की शुरुआत कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि वर्ष 2005 में तत्कालीन मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की परेशानियों को समझते हुए मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना की शुरुआत की थी। पहले बेटियों की शादी के लिए परिवारों को कर्ज तक लेना पड़ता था, लेकिन इस योजना ने उनकी बड़ी चिंता दूर की है। वर्तमान में इस योजना के तहत 50 हजार रुपए की सहायता राशि दी जाती है, जिसमें 35 हजार रुपए का चेक प्रदान किया जाता है। इस पहल से गरीब और जरूरतमंद परिवारों को आर्थिक संबल मिला है और बेटियों का विवाह सम्मानपूर्वक संपन्न हो रहा है।

छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक विरासत को जीवंत करते हुए सामूहिक विवाह के दौरान छत्तीसगढ़ की पारंपरिक संस्कृति देखने को मिली, जहां बरातियों का स्वागत डंडा खेल के जरिए किया गया। पारंपरिक अंदाज में आयोजित इस 'परघौनी' ने न सिर्फशादी समारोह को खास बना दिया, बल्कि ग्रामीण संस्कृति की झलक भी पेश की।

जीवन भर साथ चलें और अपना परिवार आगे बढ़ाएं-विजय शर्मा-उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना से आज पूरे सम्मान के साथ कबीरधाम जिले के 272 बेटियों की विवाह पूरे रिती-रिवाज और सामाजिक परंपरा के साथ एक आदर्श विवाह के रूप में संपन्न कराया गया। आज हम सब इस सामूहिक विवाह के साक्षी बने और नवदाम्पत जोड़ों को एक साथ, एक स्थान और एक मंच पर उन्हें आशीर्वाद प्रदान करने का अवसर भी हम सबकों मिला। उन्होने कहा कि कवर्धा में रायपुर के बाद सबसे अधिक नवजोड़ों का विवाह एक साथ संपन्न हो रहा है, जो इस जिले के लिए गर्व की बात है। सुखी जीवन का सबसे बड़ा सूत्र एक-दूसरे को समझना, सम्मान देना और हर परिस्थिति में साथ निभाना है। आचार्यों द्वारा विधि-विधान से विवाह संस्कार संपन्न कराया गया है, अब सभी नवदंपति अपने वचनों को निभाते हुए जीवनभर साथ चलें और अपने परिवार को आगे बढ़ाएं।

बेटी के शादी की चिंता काफी हद तक दूर हुई- भावना बोहरा-पंडरिया विधायक श्रीमती भावना बोहरा ने कहा कि कवर्धा में आयोजित यह सामूहिक विवाह कार्यक्रम एक ऐतिहासिक क्षण है, जहां पूरे मंडप को दूल्हा दुल्हनों से सजा हुआ देखकर अत्यंत खुशी और गर्व का अनुभव हो रहा है। पहले जब किसी घर में बेटी का जन्म होता था तो माता-पिता को उसकी शादी की चिंता सताती थी, लेकिन तत्कालीन मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह द्वारा शुरू की गई मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना ने इस चिंता को काफी हद तक दूर कर दिया है। इस योजना के माध्यम से जरूरतमंद परिवारों को सम्मानपूर्वक अपनी बेटियों का विवाह करने में सहयोग मिल रहा है। उन्होंने बताया कि वनांचल क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में लोग यहां पहुंचे हैं और इस कार्यक्रम में शामिल होकर इसे सफल बना रहे हैं।

उपमुख्यमंत्री ने किया दुल्हों का स्वागत सत्कार- कवर्धा शहर के पुरानी मंडी से बैंड और डीजे सहित आतिशबाजी के साथ 272 दुल्हों की सामुहिक बारात निकाली गई। उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा, पंडरिया विधायक श्रीमती भावना बोहरा, कलेक्टर गोपाल वर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष ईश्वरी साहू बेटियों की तरफ से उनके अभिभावक बनकर दुल्हों और वर पक्ष का महामाया मंदिर के पास माला पहनाकर स्वागत किया। वही वर पक्ष की ओर से नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी, जिला पंचायत सदस्य रामकुमार भट्ट, पूर्व विधायक सियाराम साहू, नितेश अग्रवाल सहित जनप्रतिनिधि बारात में शामिल होकर दुल्हों का आत्मविश्वास बढ़ाया।

बहुप्रतीक्षित रेंगाबोड़ (कुंडा) व्यपवर्तन योजना के लिए 63.80 करोड़ की स्वीकृति

विधायक भावना बोहरा के प्रयासों से 8 गाँव के हजारों किसानों को मिलेगा लाभ

कवर्धा (समय दर्श न)। विधानसभा पंडरिया क्षेत्र की जनता एवं किसान भाइयों की वर्षों पुरानी बहुप्रतीक्षित मांग विधायक भावना बोहरा के प्रयासों से डबल इंजन भाजपा सरकार ने पूर्ण करते हुए क्षेत्र को बड़ी सौगात प्रदान की है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी एवं किसान-हितैषी नेतृत्व तथा मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की संवेदनशील व विकासोन्मुखी सरकार द्वारा रेंगाबोड़ (कुंडा) व्यपवर्तन योजना हेतु ?63 करोड़ 80 लाख रुपये की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान की गई है। यह महत्वाकांक्षी योजना पंडरिया विधानसभा क्षेत्र के ग्राम बनियाकुबा, रेंगाबोड़ (कुण्डा), ओड़ाडबरी, लोखान, सेन्हाभाटा, दुल्लापुर, बर्घरा एवं भुवालपुर सहित आस-पास के ग्रामों के हजारों किसानों किसानों के लिए जीवनरेखा सिद्ध होगी। परियोजना के पूर्ण होने पर क्षेत्र के लगभग 1620 हेक्टेयर खरीफ क्षेत्र में सिंचाई हेतु पर्याप्त एवं सुनिश्चित जल उपलब्ध होगा। इससे किसान अब केवल मानसून पर निर्भर नहीं रहेंगे तथा कृषि उत्पादन एवं किसानों की आय में वृद्धि होगी।

इस अवसर पर पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने इस सौगात के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव से जी का आभार व्यक्त करते हुए जनता को बधाई दी और कहा कि यह परियोजना केवल सिंचाई सुविधा तक सीमित नहीं है, बल्कि यह किसान सशक्तिकरण, ग्रामीण अर्थव्यवस्था के विस्तार, रोज़गार सृजन एवं पंडरिया विधानसभा के समग्र विकास की दिशा में एक निर्णायक कदम है। लंबे समय से लंबित सिंचाई समस्या का समाधान कर यह योजना क्षेत्र के विकास को नई गति प्रदान करेगी। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र सरकार और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी के कुशल मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ की भाजपा सरकार किसानों को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। रेंगाबोड़ (कुंडा) व्यपवर्तन योजना पंडरिया विधानसभा के किसानों के लिए अत्यंत ही महत्वपूर्ण साबित होगा।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में भाजपा सरकार बनने के बाद से पंडरिया विधानसभा निरंतर प्रगति पथ पर अग्रसर है। इसके पूर्व भी किसानों के हित को ध्यान में रखते हुए बकेला के पास हाफ नदी में व्यपवर्तन योजना का निर्माण कार्य एवं फिडर तथा रमतला जलाशय का शीर्ष कार्य, नहरों का रिमाडलिंग कार्य एवं क्रांति जलाशय तथा देवसरा जलाशय के नहरों का रिमॉडलिंग, लाईनिंग तथा नहर विस्तारीकरण कार्य और सुतियापाट जलाशय मध्यम सिंचाई परियोजना के बायीं तट मुख्य नहर का विस्तारीकरण तथा माइनर नहरों के निर्माण हेतु 121 करोड़ की परियोजनाएं अपना आकार ले रही हैं। इसके साथ ही महीडबरा जलाशय शीर्ष कार्य, नहर कार्य संरचनाओं का जीर्णोद्धार कार्य, आगर नदी पर ग्राम छीरपानी के पास एनीकट निर्माण और ग्राम अमनिया के कन्हैया नाला में एनीकट कम काजवे का निर्माण कार्य एवं उद्वहन सिंचाई योजना निर्माण कार्य भी प्रगति पर है। माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी के नेतृत्व में जिस तत्परता से डबल इंजन भाजपा सरकार मोदी की गारंटी को पूरा कर रही है। किसानों के हित को सर्वोपरि रखकर उन्हें आत्मनिर्भर व सशक्त बना रही है वह विकसित भारत का सशक्त प्रमाण है। आज पंडरिया विधानसभा के किसान भाई-बहनों की बहुप्रतीक्षित मांग पूरी हो रही है।

भावना बोहरा ने आगे कहा कि पंडरिया विधानसभा क्षेत्र में जल संसाधनों के सुदृढ़ीकरण, सिंचाई सुविधा के विस्तार और किसानों की समृद्धि को ध्यान में रखते हुए कई महत्वपूर्ण परियोजनाएं प्रगति पर हैं जिससे आने वाले समय में क्षेत्र के किसानों को उसका लाभ मिलेगा। यह केवल निर्माण कार्य नहीं, बल्कि किसानों के भविष्य, गाँवों की खुशहाली और क्षेत्र की आर्थिक प्रगति की मजबूत नींव है।

ओपेरा कांड में जिले की छवि धूमिल करने वाले डिप्टी कलेक्टर तुलसी मरकाम की मनमानी और शासन प्रशासन की चुप्पी सवालों के घेरे में

गरियाबंद (विश्व परिवार)। ओपेरा कांड में जिले की छवि धूमिल करने वाले डिप्टी कलेक्टर तुलसी मरकाम की मनमानी और शासन प्रशासन की चुप्पी एक बार फिर सुर्खियों में है। जानकारी के मुताबिक डिप्टी कलेक्टर तुलसी मरकाम नियमों के विपरीत बीते एक हफ्ते से एसडीएम मैनपुर की कुर्सी पर बैठे हुए हैं, जबकि उन्हें 11 जनवरी को ही पद से हटाकर जिला कार्यालय में अटैच कर दिया गया था। हाईकोर्ट से निलंबन पर स्टे मिलने के बाद उन्हें पुन: जिला कार्यालय में उपस्थिति देनी थी जहां उन्हें 11 जनवरी को एसडीएम पद से हटाकर अटैच किया था, लेकिन उन्होंने नियमों को दरकिनार कर सीधे एसडीएम पद पर कब्जा जमा लिया, जिससे शासन-प्रशासन की कार्यप्रणाली सवालों के घेरे में आ गई है। सूत्रों के मुताबिक कलेक्टर ने उन्हे इस संदर्भ में दो बार कारण बताओ नोटिस भी जारी किया है, लेकिन अपनी मनमानी करने वाले डिप्टी कलेक्टर तुलसी मरकाम इस नोटिस की भी धज्जियां उड़ाते नजर आ रहे हैं। अब सवाल उठता है कि नियम विरुद्ध पद पर काबिज होकर वे जो आदेश या सरकारी कामकाज करेंगे उसे प्रभावी माना जाएगा या नहीं??

उल्लेखनीय है कि बहुचर्चित ओपेरा कांड सामने आने के बाद 11 जनवरी को कलेक्टर बीएस उइके ने डिप्टी कलेक्टर तुलसी मरकाम को मैनपुर एसडीएम के कार्यभार से हटा कर जिला कार्यालय अटैच कर दिया गया था।14 जनवरी को उन्होंने जिला कार्यालय गरियाबंद में जॉइनिंग भी कर ली थी। इसके बाद 16 जनवरी को उन्हें कमिश्नर कावरे ने निलंबित कर दिया।निलंबन अवधि में उन्हें बलौदाबाजार में अटैच कर दिया गया था। जब की मैनपुर एसडीएम से हटाने के बाद यहां का कार्यभार देवभोग एसडीएम राम सिंह सोरी को दे दिया गया था। मामले में आगे की जांच जारी थी। इस बीच 29 जनवरी को निलंबन आदेश के विरुद्ध उन्हें हाईकोर्ट से स्टे मिल गया। स्टे मिलने के बाद 30 जनवरी को उन्होंने जिला कार्यालय में उपस्थिति देने के बजाय सीधे एक तरफ मैनपुर एसडीएम का कार्यभार संभाल लिया। तब से अब तक वही जमे हुए है। इसे लेकर अब सवाल उठने लगे है।

इधर,प्रशासनिक सूत्रों की माने तो ओपेरा कांड सामने आने के बाद तत्काल कलेक्टर ने डिप्टी कलेक्टर तुलसी मरकाम को एसडीएम पद से हटा दिया था। हाई कोर्ट में जो स्ट दिया है उसमें केवल निलंबन आदेश में स्टे दिया गया है, अर्थात निलंबन आदेश में रोक लगी है, ना कि उन्हें पुन: एसडीएम पद कार्यभार संभालने के निर्देश मिले है। फिर भी मरकाम मनमानी कर रहे है।

प्रशासनिक चूक का मिला फायदा,,,,,,,बताया जाता है कि ओपेरा कांड सामने आने के बाद जेडी द्वारा डिप्टी कलेक्टर तुलसी मरकाम को कारण बताओं नोटिस दिया गया था और उन्हें जवाब तलब करने 7 दिन का समय दिया गया था। इधर दूसरी ओर लगातार बढ़ते विवाद और कलेक्टर के प्रशासनिक जांच प्रतिवेदन के आधा पर कमिश्नर महदेव कावरे ने तुलसी मरकाम को 16 जनवरी निलंबित कर दिया। क्योंकि जेडी उन्हें कारण बताओं नोटिस दिया था और समय अवधि पूर्ण नहीं हुई थी, वही कमिश्नर ने उन्हें कारण बताओं नोटिस जारी किए बिना ही निलंबित कर दिया था।

विकास कार्यों पर वन विभाग ने रोका,, पुल निर्माण कार्य रुकने से 20 गाँवों का संपर्क टूटा... आक्रोशित ग्रामीणों ने कलेक्टर से लगाई गुहार

सारंगढ़-बिलाईगढ़ ,टारजन महेश (समय दर्शन) जिले के जनपद पंचायत बिलाईगढ़ अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत बोड़ा के आश्रित ग्राम चंद्रनगर में चल रहा पुल निर्माण कार्य विवादों के घेरे में आ गया है। वन विभाग द्वारा काम रुकवाए जाने के बाद सैकडो की संख्या में ग्रामीणों ने जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौपा ।

क्या है पूरा मामला- ग्राम पंचायत बोड़ा द्वारा कलेक्टर को सौंपे गए ज्ञापन के अनुसार, चंद्रनगर स्थित नाले पर ग्रामीणों की सुविधा के लिए पुल का निर्माण कार्य सुचारू रूप से चल रहा था। ग्रामीणों का आरोप है कि वन विभाग के अधिकारियों (ष्ठस्नह्व एवं स्ष्ठह्व अमिता गुप्ता) ने अचानक

मौके पर पहुँचकर कार्य को बाधित कर दिया। विभाग का तर्क है कि जिस क्षेत्र में निर्माण हो रहा है, उसे 'रिजर्व फॉरेस्ट' (आरक्षित वन) या सेंचुरी घोषित किया गया है।

ग्रामीणों के गंभीर आरोप- पंचायत प्रतिनिधियों और ग्रामीणों का कहना है कि वन विभाग के अमले ने निर्माण स्थल पर पहुँचकर न केवल काम बंद कराया, बल्कि वहां मौजूद कर्मियों के साथ अभद्र व्यवहार भी किया।

कनेक्टिविटी का संकट: ग्रामीणों के अनुसार, इस पुल के बनने से आसपास के 10 से 20 गाँवों का सीधा जनसंपर्क सुलभ हो जाएगा।

सहमति के बाद भी रोक पंचायत का कहना है कि यह एक 'अनुसूचित जनजाति ग्राम पंचायत' है और ग्राम सभा को इस निर्माण से कोई आपत्ति नहीं है।

जनहित की अनदेखी: ग्रामीणों का तर्क है कि लोकहित में किए जा रहे इस कार्य को तकनीकी आधार पर रोकना अनुचित है।

कलेक्टर से अनुमति की मांग- ग्राम पंचायत बोड़ा के ग्रामीणों ने हस्ताक्षरित पत्र के माध्यम से कलेक्टर से निवेदन किया है कि आम जनता के हित और सुगम आवागमन को ध्यान में रखते हुए, इस रुके हुए पुल निर्माण कार्य को पुन: शुरू करने की अनुमति प्रदान की जाए।

इस मामले में अब सबकी नजर जिला प्रशासन पर टिकी है। क्या प्रशासन वन विभाग के कड़े नियमों और ग्रामीणों की बुनियादी जरूरत के बीच कोई बीच का रास्ता निकाल पाएगा?

संक्षिप्त-खबर

विधायक कार्यालय बसना में जिलाध्यक्ष अमन वर्मा का युवा मोर्चा द्वारा भव्य स्वागत

बसना (समय दर्शन)। भाजपा युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष अमन वर्मा नियुक्त पश्चात प्रथम बहना आगमन पर मंगलवार को बसना विधायक कार्यालय में युवा मोर्चा द्वारा भव्य स्वागत किया गया । पटाखे एवं युवा मोर्चा जिंदाबाद नारों से बसना गूंज उठा। उक्त स्वागत कार्यक्रम में वरिष्ठों के आशीर्वाद के पश्चात नवनियुक्त जिला अध्यक्ष अमन वर्मा ने आगामी 13 फरवरी को युवा बजट कार्यक्रम में सभी युवा मोर्चा को भारी संख्या में उपस्थिति होने मोर्चा के साथियों को आमंत्रित किया एवं सभी एवं मोर्चा साथियों का भव्य स्वागत के लिए आभार व्यक्त किया। उक्त कार्यक्रम में मुख्य रूप से भाजपा पूर्व जिला उपाध्यक्ष रमेश अग्रवाल,भाजपा मंडल अध्यक्ष नरेंद्र यादव,नगर पंचायत उपाध्यक्ष शीत गुप्ता,जनपद उपाध्यक्ष मोहित पटेल,भाजयुमो पूर्व जिला उपाध्यक्ष कामेश बंजारा,जनपद सभापति प्रकाश सिन्हा,निर्मल दास,अरुण साहू, दीपक शर्मा,सरोज पटेल,अमृत चौधरी, पिरदा मंडल अध्यक्ष अभिमन्यु प्रधान,सुभाष बंजारा,भूपेंद्र साहू,महेंद्र सिंह अरोरा,राजू साई,विकाश वाधवा,आकाश सिन्हा, नंदकिशन साव,योगेश साव,उमेश बंजारा हेमप्रकाश साव सहित भारी संख्या में युवा मोर्चा के साथी उपस्थित रहे।

सेवा निवृत्ति पर केयर टेकर कपिल सिन्हा को दी गई विदाई

पाटन (समय दर्शन)। रेस्ट हाउस पाटन के केयर टेकर कपिल सिन्हा के सेवा निवृत्त होने पर अनुविभागीय अधिकारी पुलिस (एसडीओपी) कार्यालय में विदाई समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर एसडीओपी अनूप कुमार लकड़ा ने कपिल सिन्हा के कार्यकाल की सराहना करते हुए उनके द्वारा किए गए समर्पित और जिम्मेदार कार्यों की प्रशंसा की। एसडीओपी अनूप कुमार लकड़ा ने कहा कि कपिल सिन्हा ने अपने दायित्वों का ईमानदारी और निष्ठा के साथ निर्वहन किया, जो सराहनीय है। कार्यक्रम के दौरान एसडीओपी कार्यालय का समस्त स्टाफ मौजूद रहा और सभी ने उन्हें उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

रामायण और जस गीत हमारी सांस्कृतिक आत्मा — कीर्ति नायक

पाटन (समय दर्शन)। जनपद पंचायत पाटन की अध्यक्ष श्रीमती कीर्ति नायक ग्राम फुंड़ा में आयोजित रामायण प्रतियोगिता एवं ग्राम जामगांव (एम) में आयोजित जस गीत झांकी प्रतियोगिता के कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि रामायण और जस गीत जैसे आयोजन हमारी लोक-संस्कृति, परंपरा और सामाजिक एकता के सशक्त माध्यम हैं, जो नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ते हैं।

श्रीमती नायक ने कलाकारों एवं आयोजन समिति की सराहना करते हुए कहा कि गांव-गांव में इस प्रकार के सांस्कृतिक आयोजन होने से सामाजिक समरसता मजबूत होती है और छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोक परंपराएं जीवंत रहती हैं।

इस अवसर पर वरिष्ठ समाजसेवी श्री अमरचंद वर्मा, श्री मेहत्तर राम वर्मा (अध्यक्ष, जिला मानस संघ दुर्ग), श्रीमती नीलम चंद्राकर (सदस्य, जिला पंचायत दुर्ग), श्री राजेश चंद्राकर (सांसद प्रतिनिधि), श्री रोशन वर्मा (सरपंच), उद्घोषक श्री मोहित शर्मा, श्री खिलेश वर्मा, दानेश्वर ध्रुव, दादू चंद्राकर सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

साथ ही राहुल धीवर, तामेश्वर सिन्हा, ईश्वर सिन्हा, मनीष देवांगन, परसू चंद्राकर, कृष्णा चंद्राकर एवं धर्मेंद्र सेन की भी उल्लेखनीय उपस्थिति रही।

निःशुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन : अब आंखों की रोशनी के लिए बड़े शहरों की भागदौड़ नहीं

बसना (समय दर्शन)। बढ़ती उम्र के साथ आंखों की रोशनी धुंधली पड़ जाना कई परिवारों के लिए चिंता का कारण बन जाता है। मोतियाबिंद ऐसी ही एक सामान्य लेकिन गंभीर समस्या है, जिसमें आंख के लेंस पर परत जम जाने से व्यक्ति को साफ दिखाई देना कम हो जाता है।

समय पर उपचार न मिलने पर यह दैनिक जीवन को भी प्रभावित कर सकता है।

पहले इस ऑपरेशन के लिए मरीजों को बड़े शहरों का रुख करना पड़ता था। सफर, खर्च, रुकने की व्यवस्था और बार-बार जांच के लिए जाना—ये सब बुजुर्ग मरीजों और उनके परिजनों के लिए कठिनाई भरा होता था।

इन्हीं परेशानियों को समझते हुए बसना स्थित अग्रवाल नर्सिंग होम मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल में पिछले दो वर्षों से नियमित रूप से मोतियाबिंद के सफल ऑपरेशन किए जा रहे हैं। नेत्र रोग एवं ऑक्यूलोप्लास्टिक सर्जन डॉ. देवेश अग्रवाल के मार्गदर्शन में अब तक सैकड़ों मरीजों की आंखों की रोशनी वापस लौटी है।

कई मरीजों का कहना है कि ऑपरेशन के बाद उन्हें ऐसा लगा मानो जीवन में फिर से उजाला लौट आया हो।

यह सुविधा राष्ट्रीय अंधत्व नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत पूर्णत: नि:शुल्क उपलब्ध है। महासमुंद जिले के सभी जरूरतमंद मरीज अपना अग्रिम पंजीयन करवाकर अग्रवाल नर्सिंग होम, बसना में मोतियाबिंद का ऑपरेशन पूरी तरह नि:शुल्क करवा सकते हैं।

अस्पताल प्रबंधन ने अपील की है कि जिन बुजुर्गों या जरूरतमंद लोगों को धुंधला दिखाई दे रहा है, वे समय रहते जांच कराएं और इस जीवनदायी योजना का लाभ उठाएं—ताकि हर घर में फिर से रोशनी बनी रहे।

संपर्क सूत्र: 7773086100, 9303623130, 9424242209

अग्रवाल नर्सिंग होम, बसना
जिला महासमुंद (छ.ग.)

समाज को एकता के सूत्र में बांधना ही प्रथम प्राथमिकता - एल एल कोसले

रायपुर (समय दर्शन)। प्रगतिशील छत्तीसगढ़ सतनामी समाज प्रदेश अध्यक्ष एल एल कोसले एवं प्रतिनिधि मण्डल का तीन दिवसीय सामाजिक दौरा पर खैरागढ़ पहुंचे ।

खैरागढ़ के विश्राम गृह में सतनामी समाज के समाज जन को संबोधित करते हुए एक सूत्र में बांधकर समाज के रचनात्मक कामों पर अपना ध्यान केंद्रित करना होगा । गिरौदपुरी के मड़वा धर्मशाला सामाजिक एकता का जीवंत उदाहरण है। पूरे समाज के लोगों ने संगठन पर विश्वास किया है। सामाजिक समन्वय एकता स्थापित करने आपके साथ मिलकर कार्य करने हमलोग खैरागढ़ आए हैं।

प्रदेश संरक्षक एच एल रात्रे ने समाज में समन्वय स्थापित कर शिक्षा के स्तर को बेहतर बनाने प्रगतिशील छत्तीसगढ़ सतनामी समाज के माध्यम से प्रतिबद्ध है। इस हेतु विभिन्न जगहों पर लोगों के बीच में जाकर प्रगतिशील छत्तीसगढ़ सतनामी समाज संगठन के उद्देश्य को लगातार बताने का प्रयास कर रहे हैं।

प्रदेश सहसचिव दिनेश बंजारे ने संस्था के नियमावली और उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए अपनी बात रखी, उन्होंने कहा कि प्रगतिशील छत्तीसगढ़ सतनामी समाज समाज का उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है।

विभिन्न प्रकोष्ट के माध्यम से यह संभव है। संगठनात्मक व्यवस्था को मजबूती प्रदान करने जिला, ब्लॉक, परिक्षेत्र, ग्राम कमेटी गठन कर रहे हैं। लोगो को प्रदेश स्तरीय संगठन से जुड़ने आह्वान किया गया ।

उन्होंने आगे कहा कि,निकट भविष्य में जिला खैरागढ़ से प्रदेश प्रतिनिधि चाहिए जिला तक सीमित रहने से हमारी ताकत नहीं बढ़ेगी समाज को अपनी ताकत को समझना होगा और प्रदेश टीम से जुड़ना होगा। प्रदेश अध्यक्ष यूथ प्रदीप श्रृंगी ने युवाओं को समाज विकास के लिए आगे आने कहा । उन्होंने कहा कि,आज युवाओं को सही मार्गदर्शन की जरूरत है। समाज विकास में युवाओं का महत्वपूर्ण योगदान होता है । बेमेतरा से जिला अध्यक्ष राजा लाल बंजारे ने समाज के लोगों को संगठन से जुड़ने प्रेरित किया ताकि ,शासन प्रशासन में भी एकता का संदेश जाए। बैठक में बेमेतरा से प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य खैरागढ़ जिला प्रभारी भुवन जांगड़े , जिला प्रवक्ता बेमेतरा प्रेमदास दोहरे,खैरागढ़ जिला अध्यक्ष खुमान देशलहरा, शुभम बंजारे ,गोल्डी लहरे , सूरज लहरें ,बबलू कोरे , संदीप सिरमौर तिलक लहरे, मानसिंह बंजारे, प्रेमलाल बंजारे बसंत तोड़े ,मानिक टंडन अजय लहरे ,अमित टंडन,जीवनलाल बंजारे भुवनेश्वर लहरे, प्रेमलाल, राजा टंडन ,मन्नू कोसरे ,अमर दास, जीतू मारकंडे, सोमेश कुमार लहरे ,पारख दास कोसरे, हृदय दास खैरागढ़ के समाजजन उपस्थित रहे है।

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सावित्रीपुर में न्योता भोज का आयोजन

सांकरा (समय दर्शन)। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सावित्रीपुर में आज एक आत्मीय एवं प्रेरणादायक न्योता भोज का आयोजन किया गया। यह न्योता भोज विद्यालय के शिक्षक घनश्याम साहू, महेंद्र तांडी एवं श्रीमती जयंती सागर द्वारा अपनी-अपनी बेटियों-वेदिका साहू, लिली तांडी एवं नव्या सागर-के जन्मदिन के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के समस्त विद्यार्थी एवं शिक्षकगण उपस्थित रहे। शिक्षक साथियों द्वारा अपनी पारिवारिक खुशी को पूरे विद्यालय परिवार के साथ साझा करने की यह पहल सभी के लिए अनुकरणीय रही। न्योता भोज के उपरांत विद्यालय में एक संक्षिप्त एवं गरिमामय कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के प्राचार्य पी. सिदार, एस डी भोई सर,मिडिल स्कूल के प्रधानाध्यापक एस. एल. पटेल तथा संकुल समन्वयक पी. एल. चौधरी विशेष रूप से उपस्थित रहे। प्राचार्य सिदार ने अपने उद्बोधन में इस पहल की सराहना करते हुए इसे विद्यालय में आपसी सौहार्द, संस्कार एवं पारिवारिक वातावरण को सुदृढ़ करने वाला बताया। इस अवसर पर विद्यालय परिवार की ओर से शिक्षक साथियों को स्नेह-उपहार भी भेंट किए गए। कार्यक्रम का समापन जन्मदिन की शुभकामनाओं एवं तालियों के साथ हुआ। विद्यालय परिवार ने इस न्योता भोज आयोजन के लिए तीनों शिक्षक साथियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

शहर में निकलेगी पहली बार फाल्गुन एकादशी पर खाटू धाम जैसी निशान यात्रा

नगर के सभी देवी देवताओं को मंदिर जाकर निशान यात्रा का आमंत्रण पत्र भेंटकर किया गया आमंत्रित

दुर्ग (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ की धार्मिक नगरी दुर्ग में इस साल फाल्गुन एकादशी के पावन अवसर पर श्री श्याम बाबा के खाटू धाम में प्रतिवर्ष निकलने वाली निशान यात्रा के जैसी निशान यात्रा निकलेगी।फाल्गुन मास की पावन ग्यारस को लेकर दुर्ग में श्री श्याम फाल्गुन निशान यात्रा का आयोजन किया जायेगा. आयोजित होने वाले श्री श्याम निशान यात्रा 2026 की तैयारियां पूरे जोर-शोर से चल रही हैं. हर वर्ष की तरह इस बार भी यह आयोजन श्रद्धा, भक्ति और सेवा का अनुपम संगम बनने जा रहा है. इसका उद्देश्य उन श्याम भक्तों को भी खाटू श्याम की अनुभूति कराना है, जो किसी कारणवश सीकर स्थित खाटू धाम तक नहीं पहुँच पाते हैं। ऐसे श्रद्धालुओं के लिए दुर्ग में भी खाटू धाम की परंपरा, रीति-रिवाज और भव्यता के अनुरूप दुर्ग में भी निशान यात्रा निकाली जावेगी, ताकि दुर्ग में ही बाबा श्याम के सजीव दर्शन और आशीर्वाद का लाभ ले सकें।निशान यात्रा आयोजक समिति के योगेन्द्र शर्मा बंटी ने बताया कि छत्तीसगढ़ की धार्मिक नगरी दुर्ग अब भक्ति के रंग में रंगने को तैयार है। बाबा श्याम के भक्तों के लिए इस साल का फाल्गुन मास बेहद खास होने वाला है। शहर में पहली बार खाटू श्याम के धाम की तर्ज पर एक विशाल और भव्य फाल्गुन एकादशी निशान यात्रा का आयोजन किया जा रहा है, जिसे लेकर श्याम प्रेमियों में जबरदस्त क्रेज देखने को मिल रहा है।

फाल्गुन एकादशी के दिन दुर्ग की सड़कों पर दिखेगी खाटू की झलक- आमतौर पर फाल्गुन के महीने में लाखों भक्त सीकर के खाटू धाम की ओर रुख करते हैं, लेकिन इस बार दुर्ग के आयोजकों ने शहर में ही वैसा ही दिव्य वातावरण तैयार करने का बीड़ा उठाया है। खाटू धाम जैसी ही भव्य निशान यात्रा, फूल इत्र रंग की बरसात के साथ बाबा का रथ घोड़े बग्गी के साथ साथ सुंदर एवं मधुर गीतों के साथ भक्तों की विशाल निशान यात्रा रहेगी मुख्य आकर्षण होंगे।

महोत्सव की मुख्य विशेषताएं- निशान यात्रा सैकड़ों भक्त हाथों में श्याम बाबा का निशान लेकर शहर के मुख्य मार्गों से गुजरेंगे। यात्रा के दौरान जगह-जगह पुष्प वर्षा इत्र वर्षा की तैयारी की जा रही है।

बंटी शर्मा ने बताया कि हारे का सहारा, भगवान श्री कृष्ण के कलयुगी अवतार, लखदातार, शीश के दानी कहे जाने वाले बाबा खाटू श्यामजी के भक्त केवल भारत में ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया में हैं. राजस्थान में स्थित बाबा के मंदिर में बाबा के दर्शन के लिए लंबी लंबी कतारें लगती हैं.

बाबा श्याम के मंदिर में भक्त जो निशान चढ़ाते हैं उसका क्या मतलब है?- बहुत से भक्तजब मन्नत मांगने बाबा खाटूश्यामजी के मंदिर जाते हैं, तो वह भक्त बाबा के दरबार में माथा टेक मन्नत मांगते हैं और बाबा से प्राथना करते है कि है लखतादार, हारे का सहारा मेरी यह मन्नत पूरी होने पर मैं आपके दरबार पर निशान चढ़ाने वापस खाटू नागरी आऊंगा. कई ऐसे भक्त भी होते हैं जो मन्नत पूरी होने से पहले भी बाबा के दरबार पर निशान चढ़ा देते हैं. खाटू श्यामजी को निशान चढ़ाने की परंपरा प्राचीन काल से चली आ रही है और यह निशान बेहद पवित्र माना जाता है.

खाटू श्याम पर जो निशान चढ़ाया जाता है, उसे झंडा ध्वज कहते हैं. सनातन धर्म में ध्वज को विजय के प्रतीक के तौर पर माना जाता है. साथ ही बता दें, यह निशान श्याम बाबा द्वारा दिया गया बलिदान और दान का प्रतीक माना जाता है. श्याम बाबा ने भगवान कृष्ण के कहने पर धर्म की जीत के लिए अपना शीश समर्पित कर दिया था और युद्ध का श्रेय भगवान कृष्ण को दिया था. श्याम बाबा के ध्वज का रंग केसरिया, नारंगी और लाल रंग का होता है, निशान पर कृष्ण और श्याम बाबा के चित्र और मंत्र अंकित होते हैं, साथ ही साथ निशानों पर नारियल और मोर पंख भी अंकित होता है. मान्यता है कि इस निशान को चढ़ाने से सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं और जीवन में सब मंगल ही मंगल रहता है. खाटू श्याम पर ध्वज चढ़ाने से पहले उसकी विशेष पूजा अर्चना की जाती है और खाटू श्याम की यात्रा के समय भक्त उस ध्वज को अपने हाथ में ही रखते हैं. निशान यात्रा में नंगे पांव चलकर भगवान के मंदिर तक पहुंचकर निशाना चढ़ाना बहुत उत्तम माना जाता है. बंटी शर्मा ने बताया कि दुर्ग में निकलने वाली भव्य निशान यात्रा की तैयारी के पूर्व आयोजक समिति द्वारा सबसे पहले अपने नगर के देवीङ्कदेवताओं की पूजा अर्चना एवं सभी भगवान को निशान यात्रा का आमंत्रण दिया गया, शहर के प्रमुख मंदिर जिसमें सत्ती माता मंदिर दुर्गा मंदिर, लंगूरवीर मंदिर श्याम मंदिर राम मंदिर सिद्धि विनायक गणेश मंदिर राधा कृष्ण मंदिर रामदेव बाबा मंदिर एवं शहर के अन्य मंदिरों में समिति के सदस्यों ने सभी देवी देवताओं का आह्वान करते हुए सभी भगवान को निशान यात्रा में आशीर्वाद देने हेतु आमंत्रित किया गया..

अमलेश्वर भाजपा मंडल स्तरीय कार्यशाला सम्पन्न, वीबी जी राम जी विषय पर हुआ विचार-मंथन

पाटन (समय दर्शन)। अमलेश्वर भाजपा मंडल स्तरीय कार्यशाला का आयोजन विश्राम गृह, जाम गांव एम में किया गया। कार्यशाला में वीबी जी राम जी विषय पर वक्ताओं ने अपने विचार रखे और संगठनात्मक मजबूती पर चर्चा की। कार्यक्रम में भाजपा जिला अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए पार्टी की नीतियों, संगठन के दायित्वों और आगामी कार्ययोजनाओं पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष कमलेश चंद्राकार ने स्वागत भाषण दिया। कार्यशाला में भाजपा कार्यकर्ताओं की सक्रिय उपस्थिति रही। कार्यक्रम में भाजपा महामंत्री रवि सिंगौर, जिला पंचायत दुर्ग की सभापति नीलम चंद्राकर, जनपद अध्यक्ष कीर्ति नायक, सांसद प्रतिनिधि राजेश चंद्राकर, वरिष्ठ भाजपा नेता बसंत चंद्राकर, पूर्व मंडल अध्यक्ष लोकमनी चंद्राकर, अजीत ठाकुर, पूर्व जिला पंचायत सदस्य हर्षा चंद्राकर, खेमलाल देशलहरे, धर्मेंद्र कौशिक सहित अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यशाला का उद्देश्य संगठन को और अधिक सशक्त बनाते हुए कार्यकर्ताओं को वैचारिक रूप से मजबूत करना रहा।

सिरपुर महोत्सव में कथक नृत्यांगना अश्विका साहू का हुआ सम्मान

उत्कृष्ट कथक प्रस्तुति से दर्शकों और अतिथियों को किया मंत्रमुग्ध

महासमुन्द (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ के प्रतिष्ठित सांस्कृतिक आयोजन सिरपुर महोत्सव में लखनऊ घराने की उभरती हुई कथक नृत्यांगना अश्विका साहू को उनकी उत्कृष्ट एवं भावपूर्ण नृत्य प्रस्तुति के लिए जिला प्रशासन महासमुंद द्वारा सम्मानित किया गया। इस सम्मान से न केवल क्षेत्र बल्कि पूरे प्रदेश का गौरव बढ़ा है।

अश्विका साहू बसना विकासखंड के ग्राम कुड़ारी बाहरा, जिला महासमुंद की निवासी हैं। वे वर्तमान में डीपीएस एनटीपीसी, कोरबा में कक्षा सातवीं की छात्रा हैं। कम उम्र में ही कथक नृत्य में उनकी परिपक्वता, भाव-भंगिमा, लयबद्धता और मंचीय आत्मविश्वास ने सभी को अत्यंत प्रभावित किया।

सिरपुर महोत्सव के मंच पर अश्विका साहू ने लखनऊ घराने की पारंपरिक शैली में एकल कथक नृत्य प्रस्तुत किया। उनकी प्रस्तुति में नज़ाकत, ठहराव, भाव और ताल का सुंदर समन्वय देखने को मिला।

दर्शकों के साथ-साथ उपस्थित विशिष्ट अतिथियों ने भी उनकी प्रस्तुति की मुक्तकंठ से सराहना की। सम्मान समारोह के दौरान जिला प्रशासन महासमुंद के अधिकारियों द्वारा अश्विका साहू को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अश्विका ने जिला प्रशासन महासमुंद एवं सिरपुर महोत्सव आयोजन समिति के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सम्मान उन्हें कथक नृत्य की साधना में और अधिक समर्पण व मेहनत के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देगा।

गौरतलब है कि अश्विका साहू बचपन से ही भारतीय शास्त्रीय नृत्य कथक के प्रति समर्पित हैं। वे अपने कथक गुरु श्री रंजीत नायक एवं तबला गुरु डॉ. कुणाल दास गुप्ता से लखनऊ घराने की परंपरा में नियमित प्रशिक्षण प्राप्त कर रही हैं। निरंतर साधना और गुरुओं के आशीर्वाद से उन्होंने इस विधा में अद्भुत निपुणता हासिल की है।

विद्यालयीन स्तर से लेकर राज्य, राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय मंचों (दुबई, थाईलैंड, मलेशिया) तक अश्विका अपनी प्रस्तुतियों से न केवल दर्शकों का दिल जीत चुकी हैं, बल्कि विभिन्न प्रतियोगिताओं में श्रेष्ठ स्थान प्राप्त कर क्षेत्र और प्रदेश का नाम रोशन किया है।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर,
समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालय:-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CHHHIN/2011/41517 डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2024-26